दैनिक सांध्य प्रकाश

वर्ष 52/ अंक 181/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 | संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल | आर.एन.आई 22296/71 डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, मंगलवार 7 फरवरी 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

13 दिन बाद अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर 15% चढ़े,1800 रुपए के करीब पहुंचा

अडाणी ग्रुप के स्टॉक्स में मंगलवार को जोरदार तेजी देखी जा रही है। 13 दिन बाद अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर्स में तो 15% का उछाल देखा गया। दोपहर 1 बजे ये 223.50 रुपए की तेजी के साथ 1,796.95 रुपए पर पहुंच गए। अडाणी पोर्ट भी 8% ऊपर है।

सांध्यप्रकाश विशेष

आईएएस पूजा सिंघल को जमानत के लिए इंतजार करना होगा!

रांची। झारखंड की निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को जमानत के लिए इंतजार करना होगा। उनकी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान श्रष्ठ ने कुछ दस्तावेजों के सत्यापन के लिए समय की मांग की है। पूजा सिंघल मनी लॉन्ड्रिंग मामले के आरोप में जेल में बंद जिसके बाद शीर्ष अदालत ने पूजा सिंघल की एसएलपी पर अगली सुनवाई के लिए 10 फरवरी की तिथि निर्धारित की है।

पिछली बार सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें बेटी की बीमारी के आधार पर जमानत दी थी। आज सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय किशन कौल और मनोज मिश्रा की अदालत में इस मामले की सुनवाई हुई। खूंटी में हुए मनरेगा घोटाला मामले में ईडी ने पूजा सिंघल को 11 मई 2022 को गिरफ्तार किया था।

एक माह की अंतरिम जमानत पहले मिली थी

इससे पहले 3 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने पूजा को एक माह की अंतरिम जमानत दी थी। इसके बाद पूजा सिंघल 4 फरवरी को जेल से बाहर निकली थी। अंतरिम जमानत की अवधि समाप्त होने पर पूजा ने बीते 4 फरवरी को रांची श्रष्ठ की विशेष कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। इसके बाद फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में हैं।

प्रदेश में अब बेटी को भी अनुकंपा नियुक्ति

भोपाल। मध्यप्रदेश में अब सरकारी अधिकारी-कर्मचारी के निधन के पश्चात पुत्र के साथ ही बेटी भी अनुकंपा नियुक्ति दी जाएगी। अनुकंपा नियुक्ति केवल पुत्र को ही दिए जाने की पात्रता थी, आज केबिनेट ने फैसला लिया है कि अनुकंपा नियुक्ति की पात्रता बेटी को भी होगी। सुश्री श्रद्धा

- **केबिनेट में कई फैसले, अतिक्रमण से मुक्त कराई गई जमीनों पर गरीबों को मकान बनाकर दिए जाएंगे**

मालवीय के प्रकरण में अनुकंपा नियुक्ति दी गई, इसी पर यह नीतिगत निर्णय लेकर प्रदेश में इसे लागू किया जाएगा।

मंत्रालय में आज केबिनेट की बैठक मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई। इसमें कुछ मंत्री विकास यात्रा में व्यस्त होने के कारण वर्चुअली जुड़े। मंत्री विश्वास सारंग ने केबिनेट की जानकारी देते हुए बताया कि सुराज नीति के तहत सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण बड़ी मात्रा में हटाया गया है, गरीबों को उन जमीनों पर मकान बनाकर लगभग मुफ्त में दिए जाएंगे। किसी डेवलपर को सरकारी जमीन दी जाएगी। बड़े शहरों में मल्टी स्टोरी बनाई जाएंगी, कुछ भूमि पर मकान या फ्लैट गरीबों को अनुदान के साथ दिए जाएंगे, बाकी जमीन पर डेवलपर को व्यावसायिक गतिविधि संचालिक कर सकेगा।

सहरी और भारिया की आजीविका सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री दुधारू गाय प्रदान अभियान चलाया जाएगा। प्रत्येक व्यक्ति को दो दुधारू पशु उपलब्ध कराए जाएंगे। इसमें भैंस भी दी जाएगी। उनसे केवल दस प्रतिशत राशि ली जाएगी, बाकी नब्बे प्रतिशत शासन देगा। नर्सिंग काउंसिल में 37 पदों के सृजन को मंजूरी। आर्थिक भार कौंसिल पर ही होगा। 61 करोड़ के व्यय से डेटा कलेक्शन तथा डिजास्टर मैनेजमेंट के लिए मंजूर। राज्य में पंप हाइड्रो स्टोरेज परियाजनाओं के क्रियान्वयन के लिए बनी योजना को क्रियान्वित किया जाएगा। उच्चन्यायालय मप्र के परीक्षा सेल में बीस नए पद सृजित किए गए हैं।

तुर्किये और सीरिया में मंगलवार सुबह फिर भूकंप के झटके

इस्तंबूल। तुर्किये और सीरिया में मंगलवार सुबह फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए। अब तक 243 आफ्टरशॉक्स आ आज चुके हैं। एक दिन पहले आए 3 बड़े झटकों के बाद दोनों देशों के कई शहर तबाह हो गए हैं। 7 हजार से ज्यादा बिल्डिंग धराशायी हो चुकी हैं। 40 घंटे बाद भी यहां लाशें मिलने का सिलसिला जारी है।

मंगलवार सुबह से अब तक 2500 लाशें मिलीं। इससे मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 4,825 तक पहुंच गया है। तुर्किये में 3,381 लोगों की जान जा चुकी है और 15 हजार से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर है। वहीं, सीरिया में 1,444 लोग मारे गए और 2 हजार से ज्यादा जख्मी हैं। अभी भी बड़ी-बड़ी बिल्डिंग्स के कई टन मलबे के नीचे जिंदगियां तलाशी जा रही हैं। बच्चे, बूढ़े, महिलाएं, जो मिल रहे हैं, उनकी हालात देख रेस्क्यू टीम के हाथ कांप रहे हैं। किसी के जिंदा होने की खबर मिलते ही उसे बचाने को कोशिशें और बैचेनी बढ़ जाती है।

तुर्किये के सानलिउर्फा प्रांत में ऐसा ही वाक्य देखने को मिला, जब एक महिला को 22 घंटे बाद जिंदा बाहर निकाला गया। रेस्क्यू टीम को ये महिला बेहोश हालात में मिली। उधर सीरिया के अलेप्पो में भी लोगों को बिल्डिंग्स की छतें काटकर निकाला जा रहा है। ऐसा मंजर दोनों देशों के कई शहरों में है।

भारत ने राहत सामग्री की पहली खेप भेजी- भारत ने भूकंप की मार झेल रहे तुर्किये को भूकंप राहत सामग्री की पहली खेप भेज दी है।

संसद में अदाणी मामले पर विपक्ष का हंगामा राज्यसभा की कार्यवाही दोबारा स्थगित

नई दिल्ली। अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के बाद मचे घमासान ने लगातार तीसरे दिन संसद की कार्यवाही नहीं चलने दी। दोनों सदनों में सोमवार को भी विपक्ष ने संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच और प्रधानमंत्री के बयान की मांग पर हंगामा किया। आज भी विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। इसके बाद दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित कर दी गई।

अदाणी मुद्दे पर कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि प्रश्न हमारे नियंत्रण वाले संगठन की विश्वसनीयता का है, इसलिए मैंने सेबी के अध्यक्ष को खत लिखा है और कहा कि हिंडनबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में जो आरोप लगाए हैं वो सही हैं या गलत उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि जब भी राष्ट्रपति का अभिभाषण होता है तो सबसे पहला काम राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद चर्चा करनी होती है। पहले आप धन्यवाद चर्चा करो फिर आपको जो चर्चा करनी है करो लेकिन आप सदन चलने ही नहीं देते और कहते हैं कि सरकार उत्तर नहीं देती।

कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि ये सत्तारूढ़ पार्टी जो आज ज्ञान दे रही है, जब वे लोग विपक्ष में थे तो सदन को ठप्प करने में माहिर थे। इनके दिग्गज नेता अरूण जेटली और सुषमा स्वराज कहते थे कि सदन को ठप्प करना लोकतंत्र का हिस्सा है। हम मुद्दे पर बात कर रहे हैं, जेपीसी पहले भी हो चुका है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हम चर्चा चाहते हैं, हम जेपीसी की मांग कर रहे हैं, ये घबरा क्यों रहे हैं। चर्चा से ये भाग रहे हैं हम नहीं। हम कोई बात उठाए उससे पहले ही कार्यवाही स्थगित हो जाती है। हमने 267 का नोटिस दिया है उसपर कोई चर्चा नहीं। क्या आपने सदन चलाने की कोशिश की? उन्होंने कहा कि इन्होंने एचएएल यूनिट नहीं बनाई, इससे पहले से हमारे पास मैसूर में है। एचएएल 108 राफेल विमान बनाने के लिए तैयार था, लेकिन मोदी जी वे सभी रेडीमेड फ्रांस से ले आए। कर्नाटक में पंडित नेहरू के समय से इतने पब्लिक सेक्टर है, इन्होंने कोई नया जादू नहीं किया। दक्षिणी राज्यों के विपक्षी सांसदों ने गांधी प्रतिमा के सामने केंद्रीय बजट 2023-24 में अल्पसंख्यकों के साथ हुए भेदभाव के खिलाफ विरोध किया।

विक्टोरिया गौरी को जज बनाने के खिलाफ याचिका खारिज

नई दिल्ली। एडवोकेट लक्ष्मण चंद्रा की विक्टोरिया गौरी को मद्रास हाईकोर्ट जज बनाने के खिलाफ याचिका सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के बाद खारिज कर दी। याचिका में गौरी के पॉलिटिकल बैकग्राउंड का हवाला देते हुए दलील दी गई थी कि जज की शपथ लेने वाले व्यक्ति की संविधान में पूरी आस्था होनी चाहिए।

बेंच ने कहा कि पहले भी ऐसे मौके आए हैं जब पॉलिटिकल बैकग्राउंड वाले लोग सुप्रीम कोर्ट में भी जज बने हैं। करीब 22 मिनट सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को खारिज कर दिया। गौरी के अपॉइंटमेंट के खिलाफ मद्रास हाईकोर्ट 22 वकीलों के ग्रुप ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। याचिका में कहा था कि गौरी भाजपा नेता हैं। वकीलों ने कहा था कि विक्टोरिया गौरी ने इस्लाम को हरा आतंक और क्रिश्चियानिटी को सफेद आतंक जैसे बयान भी दिए थे।

महाराष्ट्र कांग्रेस में घमासान, बाला साहेब थोराट ने दिया विधायक दल नेता पद से इस्तीफा

मुम्बई। महाराष्ट्र कांग्रेस ने बड़ा संकट मंडरा गया है। विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता नानासाहेब थोराट ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अपना त्यागपत्र भेज दिया। जन्मदिन के दिन ही इतना बड़ा फैसला लेने से पहले नानासाहेब थोराट ने राहुल गांधी से फोन बात भी की। बताया जा रहा है कि नानासाहेब थोराट और पार्टी के महाराष्ट्र अध्यक्ष नाना पटोले के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। आपसी खींचतान का असर है कि थोराट ने पद छोड़ दिया है।

छत्रपति शिवाजी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हमले की धमकी के बाद अलर्ट

मुंबई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हमले की धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। एयरपोर्ट पर सुरक्षा के इंतजाम कड़े कर दिए गए हैं। बता दें कि सोमवार को इरफान अहमद नामक व्यक्ति ने कॉल करके एयरपोर्ट पर हमले की धमकी दी थी। आरोपी ने खुद को आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन का सदस्य बताया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली में मेयर चुनाव पर आप-भाजपा का प्रदर्शन, एक दूसरे के खिलाफ धरना दिया

नई दिल्ली। दिल्ली में मेयर चुनाव को लेकर घमासान जारी है। मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) और भाजपा कार्यकर्ता सड़कों पर उतरें और एक दूसरे के खिलाफ पार्टी दफ्तर के बाहर प्रदर्शन किया। दोनों पार्टियों ने एक दूसरे पर चुनाव में देरी का आरोप लगाया। सोमवार को सिविक सेंटर में हंगामे के चलते मेयर चुनाव तीसरी बार टल गया था।

दरअसल, एमसीडी की अध्यक्षता कर रहे सत्य शर्मा ने सोमवार को कहा कि उप-राज्यपाल ने जिन 10 मेंबर्स को नॉमिनेट किया है, वो वोट डाल सकेंगे। 10 नॉमिनेटेड मेंबर्स को वोट की मंजूरी मिलने के बाद भाजपा और आप के मेंबर्स ने हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। दिल्ली में कल मेयर चुनाव तीसरी बार टल गया। इससे पहले 6 और 24 जनवरी को भी चुनाव नहीं हो पाए थे। भाजपा ने एलजी वीके सक्सेना से सत्र फिर से बुलाने के लिए 10 फरवरी की तारीख की सिफारिश की थी, जबकि आप पार्टी ने 3, 4 और 6 फरवरी का सुझाव दिया था।

शिवराज बोले-कांग्रेस में चल रहा कमलनाथ से पीछा छुड़ाओ अभियान

नाथ का जवाब- सवालों से भागकर आप भगोड़े सीएम बनते जा रहे हैं

भोपाल। मप्र की चुनावी लड़ाई प्रचार शुरू होने से पहले वादों और वचनों पर तेज होती जा रही है। पिछले दिनों पीसीसी चीफ कमलनाथ कांग्रेस के वचन पत्र में दिए गए वचनों को फिर से सरकार बनने के बाद अमल में लाने के वचन देते हुए ट्वीट कर रहे थे। अब सीएम शिवराज सिंह चौहान उन्हीं वचनों को लेकर कांग्रेस और कमलनाथ को घेर रहे हैं। सीएम रोज एक सवाल कर कमलनाथ से जवाब मांग रहे हैं। इधर कमलनाथ भी सीएम से उनके घोषणा पत्र और संकल्प पत्र की बातें पूरी न होने पर शिवराज पर सवाल दाग रहे हैं।

शिवराज बोले- कांग्रेस में चल रहा कमलनाथ से पीछा छुडाओ अभियान

कांग्रेस नेताओं में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर चल रही बयानबाजी पर सीएम शिवराज सिंह चौहान ने तंज कसा है। सीएम ने कहा- कांग्रेस ने अभी अभियान चलाया था हाथ से हाथ जोड़ो। अब कमलनाथ से पीछा छुडाओ अभियान चल रहा है। एक के बाद एक, नेता अब आगे आ रहे हैं। उनके पीछे कौन हैं? क्यों हैं? ये कमलनाथ सोचें कि, वो स्वयंभू मुख्यमंत्री हो रहे हैं। सूत न कपास, जुलाहों में लट्ठम लट्ठा।

कमलनाथ का जवाब- सवालों से भागकर आप भगोड़े सीएम बनते जा रहे हैं

ट्वीट कर जवाब दिया पीसीसी चीफ ने ट्वीट कर लिखा- शिवराज चौहान जी सवालों से भागकर आप मध्य प्रदेश की जनता की निगाह में एक भगोड़े मुख्यमंत्री बनते जा रहे हैं। आप भाजपा की वह स्थिति कर देना चाहते हैं जिसे कहते हैं- हम तो डूबेंगे सनम, तुम्हें भी ले डूबेंगे। अगर आंख का पानी बचा हो तो जनता के सवाल का जवाब दीजिए-आपने वादा किया था कि हर जाति के सीमांत और लघु किसान को सूरजधरा और अन्नपूर्णा योजना में शामिल करके रियायती दरों पर उच्च गुणवत्ता के बीज उपलब्ध कराए जाएंगे।

खास रपट

रमेश शर्मा

वित्तीय पोषण में क्यों हाशिए पर रहते हैं पर्यावरणीय नियम?

हर साल हमारे वित्तीय संस्थान जैसे सार्वजनिक बैंक, आवास फाइनेंस कंपनियां बड़े-बड़े आवासीय/ व्यवसायिक प्रोजेक्टों को करोड़ों का ऋण देती हैं और ऋण देने के पूर्व तमाम वैधानिक अनुमतियों के दस्तावेज बिल्डरों से आवश्यक रूप से लेती हैं। मगर इनमें पर्यावरणीय संबंधी नियम हाशिए पर रख दिए जाते हैं, जबकि भारतीय रिज़र्व बैंक का मास्टर सर्कुलर जुलाई 2015 और फरवरी 2022 है कि आवासीय प्रोजेक्ट को ऋण देने के पूर्व बैंक शासकीय, स्थानीय प्रशासन और अन्य वैधानिक अभिकरणों से अनुमतियां प्राप्त होने पर ऋण प्रपोजल को अनुमोदित करेगा। क्या वैधानिक अनुमतियों में पर्यावरणीय नियमों की अनुमतियां नही आती हैं? यदि हो तो हमारे बैंकों ने पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के कानून को कैसे दरकिनार कर रखा है? लगभग चार वर्ष पूर्व मप्र विधानसभा के सत्र में तारांकित प्रश्न क्रमांक 2500 में कांग्रेस के विधायक श्री शैलेंद्र शर्मा के प्रश्न के उत्तर में संबंधित मंत्री द्वारा यह जानकारी दी गई कि मप्र के 71 आवासीय / व्यवसायिक प्रोजेक्ट्स पर मप्र के प्रदेश के प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने पर्यावरण में नियमों के उल्लंघन के चलते न्यायालय में वाद दायर किया है।

ओपन आईन्यूज ने इस मामले को प्रकाश में लाते हुए भारतीय रिजर्व बैंक को उन आवासीय प्रोजेक्ट की सूची सौंपी जो परोक्ष या अपरोक्ष रूप से बैंकों से अपने प्रोजेक्ट हेतु ऋण लेते है। तदुपरांत भारतीय रिजर्व बैंक ने जुलाई 2018 में प्रदेश के समस्त बैंकों को सूचित किया कि जिन परियोजनाओं पर मप्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने पर्यावरण संरक्षण अधिनियम की विभिन्न धाराओं में वाद दायर किया है, उन्हें ऋण देने में सावधानी बरती जाए। शनैः शनैः बैंकों ने ऐसी आवासीय परियोजनाओं को ऋण देने में ढिलाई बरती जबकि यह सर्वमान्य है कि न्यायालय में मामला लंबित होने की दशा में ऋण अनुमोदन पर रोक लगनी चाहिए। देखा जाए तो इस मामले में बैंकों ने अपने लक्ष्यपूर्ति को पहली प्राथमिकता दी हैं और कोई बीच का रास्ता अपनाया गया। भारतीय रिजर्व बैंक को पत्र दि. 17 मार्च 2022 स्वयं स्पष्ट करता है - भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देश सभी बैंकों पर बाध्य होते हैं। रिजर्व बैंक के सर्कुलर दिनांक 18 फरवरी 2022 (पूर्व में 01 जुलाई फरवरी 06 2015) के अनुच्छेद 6 के अनुसार - बैंकों को अचल संपत्ति के लिए ऋण स्वीकृति के समय वैधानिक और नियामक प्राधिकरण से अनुमोदन प्राप्त करना आवश्यक है।

> आम आदमी को भी अपनी गाढ़ी कमाई से मकान खरीदते समय बारीकी से सभी अनुमतियां देख लेनी चाहिए। यह सभी को मालूम हैं कि बैंक ऋण देते समय जिन भारी भरकम दस्तावेजों पर ऋणी के दस्तखत लेती है, उनमें से 99 फीसदी बैंक के पक्ष में होते हैं। विपरीत स्थितियों में कानूनी रूप से बैंक ही मजबूत रहती है।

अब सवाल यह उठता है क्या मप्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल एक वैधानिक संस्था नहीं है, जिसका गठन अधिनियम के तहत हुआ है ? क्या केंद्रीय भूजल मंडल का गठन जल शक्ति मंत्रालय के नोटिफिकेशन के तहत नही हुआ है ? ये वैधानिक तथा एक तरह से नियामक संस्थाएं हैं तभी मप्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने भवन निर्माताओं का पर न्यायालयीन वाद दायर किया है। केंद्रीय भू-जल मंडल ने भी कई भवन निर्माताओंको भूजल खनन हेतु अनापत्ति प्रमाणपत्र नहीं लेने के कारण पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 की धारा 05 के तहत कार्रवाई करने का नोटिस जारी किया है। भूजल के अवैध खनन हेतु तो जल शक्ति मंत्रालय नई दिल्ली ने मप्र तथा छग राज्यों को सूचना पत्र दिया है।

यहां रेरा (रियल इस्टेट रेग्यूलेटरी अथार्टी) की भूमिका पर चर्चा होना भी जरूरी है। वर्ष 2016 में गठित इस प्राधिकरण का काम विभिन्न भवनों के पंजीकरण का है, जो पंजीकरण के पूर्व समस्त आवश्यक दस्तावेजों की जांच करता है। इन दस्तावेजों में टाउन कंट्री प्लानिंग का अनुमोदन, प्रोजेक्ट का ब्रोशर, बिल्डिंग परमिशन, भूमि स्वामी की स्वीकृति, विकास अनुज्ञा, विकास योजना, खसरा फार्म, नजूल स्वीकृति, भवन अनुज्ञा इत्यादि शामिल है। खास बात यह है कि इन दस्तावेजों में भवन हेतु आवश्यक सम्मतियां (कंसेंट्स) जैसे स्थापना तथा संचालन की सम्मतियां जिन्हें जल तथा वायु अधिनियमों के तहत लेना आवश्यक हैं, को कहीं से भी शामिल नही किया गया। इसी तरह प्रोजेक्ट में उपयोग में आने वाले पानी के स्रोत भूजल से जुड़ी एनओसी का कॉलम ही नही है। रेरा उक्त सारे दस्तावेजों तथा पर्यावरण अनुमतियों के दस्तावेजों के अभाव में प्रोजेक्ट अनुमोदित कर देता है। और फिर बैंक रेरा के पंजीयन के आधार पर वित्तीय रूप से प्रोजेक्ट को स्वीकृति प्रदान कर देता है। एक आम आदमी को इन दस्तावेजों, या अनुमोदन से कोई लेना-देना नही होता है, परंतु किसी न्यायालयीन वाद का पेंच अगर फंस जाए तो अलबत्ता कोई समस्या आ सकती है। ऐसे कई मामले उजागर हो चुके है जिनमें पर्यावरण नियमों के उल्लंघन के चलते फैसले हुए हैं जिनका खामियाजा परोक्ष तथा अपरोक्ष रूप से लोगों ने भुगता है।

> रेरा की भवन पंजीकरण की प्रक्रिया में पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी के लिए खुद मप्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल और केंद्रीय भूजल मंडल जिम्मेदार है, क्योंकि ये उनकी कमजोरी हैं कि पंजीकरण में उनके विभाग की अनुमतियों की जरूरत को वे मजबूती से सरकार के समक्ष अपना पक्ष रख सकेंगे पाएंगे।

देखा जाए तो रेरा की पंजीयन प्रक्रिया में पर्यावरण नियमों की अनदेखी के लिए खुद मप्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल और केंद्रीय भूजल मंडल जिम्मेदार हैं क्योंकि ये उनकी कमजोरी है कि वे अपनी बात मजबूती से नही रख पाते। जब प्रोजेक्ट अनुमोदित हो जाता है और किसी तरह उन्हें पता चलता हैं तब ये विभाग अपने कागजी घोड़े दौड़ाते हैं। अगर गाहे-बगाहे कोर्ट में केस दायर भी हो जाए तो यह जग जाहिर है कि निर्णय में कितना समय लगेगा, इसकी कोई ग्यारंटी नहीं है। पर तब तक तो प्रोजेक्ट वाले अपना काम खत्म कर चुके रहते हैं।

फिर इसका हल क्या होगा ? समस्याएं तो है ही, मगर ऐसे मामलों का समाधान निकाला जा सकता है, बशर्ते जिम्मेदार विभाग बिना किसी दबाव या उपकृत होने के परंपरागत प्रणालियों से दूर रहें। सबसे पहले प्रोजेक्ट के वित्तीय अनुमोदन में बैंकों को हाऊसिंग प्रोजेक्ट के लिए रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन करना होगा। ऐसे प्रोजेक्ट को फाइनेंस करने में सावधानी बरतनी होगी जिनके विरुद्ध किसी भी रूप में न्यायालयीन प्रकरण चलायमान है। रेरा भी अपने दस्तावेजों में पर्यावरण से संबंधित अनुमतियों को समाहित करें। पर्यावरण संरक्षण हेतु गठित मंडलों को भी अपना काम बड़ी गंभीरता से करना होगा। सबसे बड़ी जिम्मे दारी तो भारतीय रिजर्व बैंक की है कि वह ऐसे मामले को सामान्य प्रकृति का नहीं मानें और जिम्मेदार शीर्षस्थ संस्था होने का परिचय दें। दरअसल, ये मामला पूरी तरह से जनहित से जुड़ा है जिसकी अनदेखी कभी न कभी तो समस्या खड़ी कर सकती है और ऐसा हुआ तो विपरीत परिस्थितियों का सामना आम आदमी को करना पड़ सकता है।

गणेश नगर कल्याण विकास समिति के कृष्ण गोपाल उपाध्याय अध्यक्ष, सुनील बिजवा सचिव, प्रेम पंवार प्रवक्ता चुने गए

भोपाल। गणेश नगर कल्याण एवं विकास सहकारी संस्था के चुनाव उप पंजीयक कार्यालय के निर्देशानुसार रिटर्निंग ऑफिसर संगीता मीन द्वारा कराए गए। जिसमें अध्यक्ष कृष्ण गोपाल उपाध्याय, उपाध्यक्ष अमित सिंह परिहार सुरेंद्र सिंह सिसोदिया , सचिव सुनील बिजवा ,कोषाध्यक्ष एम एल अहिरवार, प्रवक्ता प्रेम पवार, एवं कार्यकारिणी सदस्य विजय पटवा, एस आर वर्मा, राम सिंह बघेल, पृथ्वी सिंह यादव, नंदराम जरिया, श्रीमती मंजू जैन, रुकमणी झा,प्रवक्ता प्रेम पवार ने बताया इस अवसर पर स्थानीय पार्षद और जोन अध्यक्ष देवेंद्र भार्गव, भगवानदास ढालिया, विष्णु राजपूत सहित क्षेत्रीय नागरिकों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत कर समिति विकास के लिए हर संभव योगदान देने का भरोसा भी दिलाया।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को ऑनलाइन गेमिंग से संबंधित मामलों के लिए नोडल एजेंसी के रूप में नियुक्त किया गया

भोपाल। एक लैंडमार्क कैबिनेट सचिवालय अधिसूचना के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को 26 दिसंबर, 2022 को ऑनलाइन गेमिंग से संबंधित मामलों के लिए नोडल एजेंसी के रूप में नियुक्त किया गया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने बाद में ऑनलाइन गेमिंग के नियमन के लिए मसौदा नियम प्रकाशित किए और इस बारे में लोगों से सुझाव आमंत्रित किए।विभिन्न अदालती फैसलों के साथ-साथ ऑनलाइन गेमिंग के नियमों के मसौदे को देखते हुए ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने के लिए मध्य प्रदेश की टास्क फोर्स के लिए आगे का रास्ता एकदम साफ होना चाहिए। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के मसौदा नियम सट्टेबाजी और जुए के मामलों को राज्यों पर छोड़ देते हैं, जबकि अदालतों ने फैसला सुनाया है कि ऑनलाइन कौशल-आधारित खेल सट्टेबाजी या जुआ नहीं हैं। यहां तक कि मध्यप्रदेश के पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ ने भी हाल ही में ऑनलाइन जुए और सट्टेबाजी पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून पारित किया है, लेकिन न्यायिक दिशा-निर्देशों के अनुसार कौशल आधारित खेलों को इस कानून के दायरे से बाहर रखा गया है। इस पर लॉयर अमितांश शुक्ला का कहना है, केंद्र से दिशा स्पष्ट है, एमईआईटीवाई ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करेगा, जबकि राज्य सट्टेबाजी और जुए को विनियमित करना जारी रखेंगे। अदालतें स्पष्ट हैं - कौशल आधारित खेल सट्टेबाजी और जुए से अलग हैं। इसमें अब कोई अस्पष्टता नहीं होनी चाहिए कौशल आधारित खेलों को छोड़कर ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए पर प्रतिबंध लगाकर छत्तीसगढ़ रास्ता दिखा रहा है। यह एक विवेकपूर्ण कानून है, और मध्य प्रदेश केंद्रीय शासनादेशों के साथ संरेखित करते हुए इसे अच्छे प्रभाव के लिए दोहरा सकता है।

एयरटेल 5जी प्लस नेटवर्क अब मध्य प्रदेश के 4 शहरों में

भोपाल। भारत की अग्रणी टेलिकम्युनिकेशन सर्विस प्रोवाइडर भारती एयरटेल (एयरटेल) ने आज भोपाल, उज्जैन और ग्वालियर में अपनी अत्याधुनिक 5जी सेवाओं के शुरू करने की घोषणा की। एयरटेल की 5जी सेवाएं पहले से ही इंदौर में लाइव हैं। जैसे जैसे कंपनी अपने नेटवर्क का निर्माण और रोल आउट पूरा कर रही है, एयरटेल 5जी प्लस सेवाएं चरणबद्ध तरीके से ग्राहकों के लिए उपलब्ध होंगी। 5जी- सक्षम डिवाइस वाले ग्राहक बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के तेज़ एयरटेल 5जी प्लस नेटवर्क का उपयोग तब तक कर सकते हैं जब तक कि रोलआउट अधिक व्यापक न हो जाएं। एयरटेल 5जी सेवाएं वर्तमान में इन शहरों में निम्न स्थानों पर उपलब्ध हैं। भोपाल के 10 नंबर बस स्टॉप, मालवीय नगर, बीएचईएल, अरेरा हिल्स, वल्लभ भवन, कोलार रोड, भदभदा रोड, इंद्रपुरी, बैरागढ़, ईदगाह हॉल, कोह-ए-फ़िज़ा इलाके में। उज्जैन के महाकाल क्षेत्र, नागझिरी, बापना पार्क, शांति नगर, वसंत विहार, कामरी मार्ग, बेगम बाग, जूना सोमवारिया, मक्सी रोड औद्योगिक क्षेत्र, उदयन मार्ग इलाके में। ग्वालियर के सिटी सेंटर, गुलमोहर कॉलोनी, गोल पहाड़िया, गोविंदपुरी, महाराजा कॉम्प्लेक्स, किला गेट, हजीरा, विनय नगर इलाके में। कंपनी आने वाले समय में इन शहरों में कई अन्य स्थानों पर अपनी सेवाएं उपलब्ध कराकर अपने नेटवर्क का विस्तार करेगी। सुजय चक्रवर्ती सीईओ, भारती एयरटेल, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ ने कहा, मैं इंदौर के बाद अब भोपाल, उज्जैन और ग्वालियर में एयरटेल 5जी प्लस के लॉन्च की घोषणा करते हुए रोमांचित हूं। इन शहरों में एयरटेल के ग्राहक अब मौजूदा 4जी स्पीड से 20-30 गुना अधिक तक की गति के साथ एक अल्ट्राफास्ट नेटवर्क का उपयोग कर सकते हैं।

इस वैलेंटाइंस डे पर बादाम के साथ प्यार और सेहत का तोहफा दें

भोपाल। वैलेंटाइंस डे के मौके पर फूल और चॉकलेट पारंपरिक विकल्प हैं लेकिन इस साल कुछ ऐसा तोहफा देने पर सोचिये जो न सिर्फ आपका प्यार और लगाव दिखाता हो बल्कि अच्छी सेहत और तंदुरूस्ती को बढ़ावा भी देता हो सेहत के लिये अपने कई फायदों के चलते बादाम आपके प्रिय व्यक्ति के लिये एक सोच-समझकर दिया गया अनोखा तोहफा होंगी बादाम 15 पोषक-तत्वों का प्राकृतिक स्रोत होती हैं जैसे कि जिक, फोलेट, आयरन, विटामिन ई, मैग्नीशियम, प्रोटीन, आदि और आपके दिल, त्वचा की सेहत, वजन पर नियंत्रण, के मामले में कई फायदे देती हैं और साथ ही ब्लड शुगर को भी काबू में रखती हैं। तो इस वैलेंटाइंस डे पर ऐसे तोहफे से अपना प्यार और लगाव दिखाइये, जोकि विचारपूर्ण और सेहतमंद, दोनों हो। आपके प्रिय व्यक्ति को भी आपकी यह कोशिश और बादाम से सेहत को मिलने वाले फायदे यकीनन पसंद आएंगे। इस मौके पर अपनी बात रखते हुए बॉलीवुड की जानी मानी एक्ट्रेस सोहा अली खान ने कहा वैलेंटाइंस डे अपने प्यारे लोगों के लिये प्यार और लगाव दिखाने का एक खास मौका है। मेरा मानना है कि वैलेंटाइंस डे पर तोहफे में बादाम देना अपने प्रियजनों को यह दिखाने का सबसे बढ़िया तरीका है कि आपको उनकी सेहत और तंदुरुस्ती की चिंता है बादाम में कई न्यूट्रिएंट्स होते हैं और साथ ही कॉपर, विटामिन ई, प्रोटीन, विटामिन बी2, मैग्नीशियम और फास्फोरस भी अच्छी मात्रा में होता है और यह चीजें सेहतमंद जिन्दगी जीने में मदद करती हैं सच तो यह है कि बादाम लो-ग्लानइसेमिक इंडेक्स फूड हैं जिनमें बहुत ज्यादा फाइबर, अनसैचुरेटेड फैट और कम कार्बोहाइड्रेट होता है। रिसर्च के मुताबिक रोजाना बादाम खाने से टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों की सेहत बेहतर होती है इसके अलावा बादाम में इम्युनिटी को सपोर्ट करने वाले न्यूट्रिएंट्स भी होते हैं जैसे कि जिंक, आयरन, फोलेट, आदि और इसलिये बादाम को तोहफे के रूप में पाने वाला व्यक्ति इसके पीछे की सोच का पसंद करेगा और बादाम से मिलने वाले पोषण का मजा लेगा।

एचडीएफसी बैंक ने मध्य प्रदेश में 325वीं शाखा का माइलस्टोन पार किया

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल से 20 शाखाओं का उद्घाटन किया

इस वित्तीय वर्ष में 100 शाखाएं जोड़ी जाएंगी; करीब एक हजार रोजगार सृजित होंगे

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एचडीएफसी बैंक, भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक ने मध्य प्रदेश में अपनी 327वीं शाखा का उद्घाटन श्यामला हिल्स, भोपाल में किया। यह 325 शाखाओं के लैंडमार्क को पार करने वाला राज्य का पहला निजी क्षेत्र का बैंक बन गया है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक समारोह में राज्य में 327वीं शाखा का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री द्वारा कुल 20 शाखाओं का डिजिटली उद्घाटन किया गया। अरविंद वोहरा, समूह प्रमुख- रिटेल शाखा बैंकिंग और सुश्री आशिमा भट, समूह प्रमुख- व्यवसाय वित्त और रणनीति, सीएसआर और ईएसजी, प्रशासन और इंफ्रास्ट्रक्चर सहित एचडीएफसी बैंक के

वरिष्ठ अधिकारी डिजिटल रूप से लॉन्च में शामिल हुए। एचडीएफसी बैंक ने इस वित्तीय वर्ष में पहले ही 80 शाखाएं (आज की 20 सहित) खोली हैं और 31 मार्च, 2023 तक राज्य में अन्य 20 शाखाएं खोलने की योजना है, जो इसे मेट्रो, शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की अनुमति देता है। चालू वित्त वर्ष में खोली गई 100 नई शाखाओं से अतिरिक्त 1,000 लोगों के लिए रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। देश के साथ-साथ राज्य में लगभग आधी शाखाएं अर्ध शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में हैं।नई शाखाओं से वेतन भोगी व्यक्तियों, व्यापारियों, और सरकारी विभागों को लाभ होने की उम्मीद है। मध्य प्रदेश में कुल मिलाकर 1 लाख लोगों को इससे लाभ होने की संभावना है। प्रतीक शर्मा, ब्रांच बैंकिंग हेड सेंट्रल इंडिया एचडीएफसी बैंक ने कहा हम मध्य प्रदेश की विकास गाथा में भाग लेकर प्रसन्न हैं। हमारे बढ़ते शाखा नेटवर्क और अन्य पहलों के माध्यम से, हम मध्य प्रदेश के लोगों की समृद्धि में योगदान करने की योजना बना रहे हैं। हमारा मानना है कि हम विशेष रूप से कृषि क्षेत्र की प्रगति में मदद कर सकते हैं क्योंकि हमारी लगभग आधी शाखाएं अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में हैं।

मध्य प्रदेश में एचडीएफसी बैंक की यात्रा वर्ष 1999 में ट्रेड हाउस, इंदौर में अपनी पहली शाखा खोलने के साथ शुरू हुई। बैंक कृषि, एमएसएमई और नवीकरणीय ऊर्जा सहित कई क्षेत्रों को उधार देता है। इसका एक मजबूत रिटेल पोर्टफोलियो है जिसमें कार लोन, टू-व्हीलर लोन, कंज्यूमर ड्यूरेबल लोन, पर्सनल लोन और क्रेडिट कार्ड शामिल हैं।

श्री प्रेम प्रकाश कालोनी के नाम के मुख्य द्वार का आज होगा अनावरण

संत हिरदाराम नगर। श्री प्रेम प्रकाश मंडल के संतों द्वारा श्री प्रेम प्रकाश कालोनी, एफ वार्ड के नाम के मुख्य द्वार का अनावरण हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा की मुख्य उपस्थित में 7 फरवरी को सुबह 11 बजे किया जाएगा। श्री प्रेम प्रकाश आश्रम संत हिरदाराम नगर के द्वारा दादी माता लाजवंती देवी ग्वालियर की पुण्य स्मृति में निःशुल्क चिकित्सा एवं जाँच शिविर भी लगाया गया है जिसमें हड्डी, दाँत, स्त्री रोग के चिकित्सक उपस्थित रहेंगे एवं ब्लड, शुगर, हिमोग्लोबिन, ई.सी.जी. एवं ब्लड प्रेशर की जाँच भी निशुल्क की जायेगी।

अन्न उत्सव का आयोजन 10 फरवरी से

भोपाल। जिले में माह फरवरी में सभी शासकीय उचित मूल्य की दुकानों पर 10 फरवरी से 13 फरवरी तीन दिवस तक अन्न उत्सव का आयोजन किया जाएगा। जिला आपूर्ति नियंत्रक मीना मालाकार ने बताया कि अन्न उत्सव में नोडल अधिकारी की उपस्थिति में पात्र हितग्राहियों को अपने क्षेत्र की उचित मूल्य की दुकानों से प्रातः 9 बजे से सायं 7 बजे तक राशन प्राप्त कर सकते है। उन्होंने बताया कि उपभोक्ताओं को राशन वितरण बायोमैट्रिक सत्यापन द्वारा आधार प्रमाणीकरण के आधार पर किया जाएगा।

भोपाल विमानतल पर प्रशिक्षुओं के लिए आवेदन

भोपाल। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अंतर्गत वर्ष 2022-23 के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, राजा भोज विमानतल भोपाल में प्रशिक्षुओं को नियुक्त करने की आवश्यकता है जिसमें मैकेनिकल इंजीनियरिंग 3 पद, इफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी 2 पद, कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग 5 पद, सिविल इंजीनियरिंग के 3 पद और इलेक्ट्रीकल्स इंजीनियरिंग के 3 पद पर पूर्ति की जाना है। इन पदों में आवेदन करने के लिए शासकीय डिबीजनल इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग इंस्टीटयूट गोविन्दपुरा द्वारा लिंक जारी किया गया हैं।

सिंधी सेन्ट्रल पंचायत ने अटल धर्मशाला में हुई बैठक, आयोजन को लेकर की नियुक्तियां

सिंधी समाज की बैठक में चैतीचांद का पर्व धूमधाम से मनाने का लिया निर्णय

संत हिरदाराम नगर। भगवान झूलेलाल की जयंती चैतीचांद का पर्व इस साल भी धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। आयोजन को लेकर सिंधी सेन्ट्रल पंचायत भोपाल द्वारा अटलराम धर्मशाला में बैठक रखी गई। जिसमें चैतीचांद त्यौहार पूरे उत्साह से मनाने का निर्णय लिया गया। आयोजन को लेकर कई नियुक्तियां की गई जिसमें शोभा यात्रा के संयोजक के रूप में शंकरलाल पंजवानी और सुभाष भावनानी को मनोनीत किया गया। उप संयोजक अनिल चुग और राजा कल्याणी बनाए गए। पंचायत के सलाहकार मंडल में नितेशलाल का भी मनोनयन किया गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि पंचायत के वे पूर्व अध्यक्ष जो दिवंगत हो गये हैं, उनकी पंचायत में की गई सेवाओं को सम्मान देते हुए उनके परिवार जनों को रविन्द्र भवन के मुख्य कार्यक्रम में प्रशस्ति-पत्र दिया जाए। इसके अलावा जिस प्रकार सेन्ट्रल पंचायत शहीद हेमू कालानी की लाइव झांकी निकाल रही है उसी प्रकार यदि संभव हो तो मोहल्ला

पंचायतें भी' वंदे मातरम थीम पर सिंध के शहीदों, स्वतंत्रता संग्राम में सिंध के लोगों के योगदान, विभाजन के संघर्षों पर लाईव झांकियां निकाल सके जिससे शोभायात्रा की खूबसूरती बढ़ जाएगी। पंचायत के अध्यक्ष भगवानदेव ईसरानी ने शोभायात्रा और रवीन्द्र भवन के मुक्ताकाश मंच पर चैतीचांद के पूरे कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

विकास यात्रा के दौरान लाड़ली लक्ष्मी योजना में 200 बेटियां लाभान्वित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

जिले में विकास यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाली योजना लाड़ली लक्ष्मी योजना में विकास यात्रा में 200 बेटियों को लाभांवित किया गया है। योजना में बालिका को एक लाख 18 हजार की राशि प्रदान की जाती है। विकास यात्रा में सांकेतिक रूप से 20 बेटियों को लाड़ली लक्ष्मी योजना के प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इन बेटियों में तनविका पिता पवन कुमार, पायल पिता हुकुमदास जाटव, भव्या, कुलदीपिका पिता नारायण, आघ्या पिता वीरेन्द्र, तुसानी, मानसी, वर्धिनी, वेदिका, कीर्ति, दर्शिना, अभ्या, प्रिसा मीणा, आयत, उत्कर्षा, बान, यतिका, अंबिका, पलक को स्वीकृति पत्र वितरित किए गए।

योजनातर्गत पंजीकृत बालिका को कक्षा 6वीं प्रवेश पर रूपए 2 हजार, कक्षा 9वीं प्रवेश पर 4 हजार, कक्षा 11वीं प्रवेश पर 6 हजार एवं कक्षा 12वीं प्रवेश पर 6 हजार रूपए की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। इस योजना में लाड़ली बालिकाओं कक्षा 12वीं के पश्चात स्नातक अथवा व्यवसायिक पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने पर रूपए 25 हजार की प्रोत्साहन राशि दो सामान किश्तों में प्रथम और अंतिम वर्ष में दी जाती है। लाड़ली लक्ष्मी बालिका की आयु 21 वर्ष पूर्ण होने पर एक लाख का अंतिम भुगतान किए जाने का प्रावधान है। जिले में विकास यात्रा का आयोजन 25 फरवरी तक किया जाएगा। जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने बताया कि विकास यात्रा के दौरान जिले की लगभग 550 बेटियों को लाड़ली लक्ष्मी योजना में लाभ दिए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

विकास यात्रा में अधिक से अधिक नागरिकों को लाभांवित करें: लवानिया

भोपाल । कलेक्टर अविनाश लवानिया ने जिले के सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि विकास यात्रा के दौरान प्रत्येक ग्रामों, कस्बों और शहरी क्षेत्रों में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को दिए जाने के लिए सभी अधिकारी अपने - अपने विभागों से संबंधित योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने बताया कि मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान में एक लाख 60 हजार से अधिक योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को विकास यात्रा के दौरान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र हितग्राही योजना के लाभ वंचित है ऐसे नागरिकों को भी जोड़कर विकास यात्रा के दौरान लाभ प्रदान किया जाए। लवानिया ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों, शहरी क्षेत्रों में किए गए विकास कार्यों और उपलब्धियों का लेखा जोखा भी विधानसभावार विधायकों को उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि जिससे आम जनता को विकास कार्यों की जानकारी प्राप्त हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनावार लाभांवित हितग्राहियों की सूची तैयार कर उन्हें विकास यात्रा के दौरान लाभांवित किया जाए।

शासकीय अधिकारी, कर्मचारी और उनके आश्रितों की उपचार के लिए निजी चिकित्सालय अधिकृत

भोपाल। मध्यप्रदेश सिविल सेवा नियम 2022 के अंतर्गत राज्य के भीतर निजी चिकित्सालयों को सूचीबद्ध करने के लिए राज्य स्तरीय समिति की बैठक 13 जनवरी 2023 को आयोजित की गई जिसमें निर्णय लिया गया कि प्रदेश के निजी चिकित्सालयों को नेशनल अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएच) प्रमाण पत्र की वैधता के अनुसार शासकीय कर्मचारी एवं उनके आश्रितों की जाँच उपचार के लिए सीजीएचएस भोपाल के पैकेज दर अनुरूप उपचार के लिए सूचीबद्ध किया गया है। शासकीय कर्मचारियों और उनके आश्रितों की जाँच उपचार के लिए राज्य के निजी चिकित्सालयों में बंसल हॉस्पिटल शाहपुरा, मिरेकल्स हॉस्पिटल, गट जीआई एंड लिवर हॉस्पिटल, एल एन मेडीकल कॉलेज एवं जेके हॉस्पिटल, हजेला, सिल्वर लाइन एंड रिसर्च इन्स्टीटयूट हॉस्पिटल भोपाल, एसबीआई केयर एंड लेसीक लेजर सेंटर गायत्री मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल, विजन केयर एंड रिसर्च सेंटर, चिरायु हेल्थ एंड मेडीकेयर प्रायवेट लिमिटेड, जवाहरलाल नेहरू कैंसर हॉस्पिटल, नवोदय कैंसर, सेवा सदन आई, आर.ए.स्टोन एंड सर्जिकल केयर, जानकी, स्मार्ट सिटी, गैस ट्रो केयर लिवर एंड डायग्नोस्टिक डिसीज सेंटर, रोशन, रेनवो चिल्ड्रन, सिद्धांता सुपर स्पेशलिटी भोपाल श्री अरविंदो इंस्टीट्यूट ऑफ मेडीकल साइंस सेम्स हॉस्पिटल इंदौर, गुर्जर श्री हॉस्पिटल सनावद खरगोन, रामहाई टेक हॉस्पिटल गुना और विवांता क्रिटिकल केयर प्रायवेट लिमिटेड छिंदवाड़ा को नियत तिथि अनुसार सूचीबद्ध किया गया हैं।

महिलाओं को आधारभूत वित्तीय ज्ञान होना आवश्यक: मोनिका हलन

संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय में फायनेंशियल इंटेलीजेंस पर हुआ सेमीनार

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय द्वारा संस्था के अध्यक्ष सिद्ध भाऊ की प्रेरणा से फायनेंशियल इंटेलीजेंस विषय पर सेमीनार का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में मोनिका हलन, लेखिका, पुस्तक लेट्स टॉक मनी, एडजंट प्रोफेसर, वनस्थली विद्यापीठ एवं सदस्य, सेबी एडवाइजरी कमेटी फॉर आई.पी.ई.एफ. उपस्थित थीं।

मुख्य अतिथि मोनिका हलन ने कहा कि शोर्टकर्ट्स से प्राप्त सफलता अल्पकालीन होती है। स्टार्टअप से भारत में एक वैचारिक बदलाव आया है। विभिन्न जीवंत उदाहरणों के साथ अपनी बात कहते हुए उन्होंने आर्थिक स्वतंत्रता, समाजवाद, अर्थशास्त्र, लायसेंस राज, पी.पी.एफ., एफ.डी., सेंसेक्स, आई.पी.ओ., रिस्क केपिटल, कंज्यूमर प्राईस इन्डेक्स, पेसिव इन्वेस्टिंग पर प्रभावी ढंग से बात की। तीन महत्वपूर्ण बातों-पैसा बुरा नहीं है, पैसे के निवेश की बागडोर स्वयं आपके हाथों में हो एवं आधारभूत वित्तीय ज्ञान होना आवश्यक है, पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने कहा कि निवेश करने से पहले आवश्यक तैयारी करें। उन्होंने बचत को निवेश में बदलने के तीन तरीकों डेब्ट, इक्विटी एवं रियल असेट्स पर बात करते हुए कहा कि आपातकालीन फंड अवश्य बनायें। बीमा और निवेश के फर्क को समझें। अपनी आमदनी को खर्च और निवेश के बीच बांटें। अपने सत्र में उन्होंने छात्राओं के शंकाओं का भी समाधान किया। इस कार्यक्रम में हीरो ज्ञानचंदानी, ए.सी. साधवानी, एल.सी. जनयानी, गोपाल गिरधानी, भगवान बाबानी, थावर वरलानी, डॉ. डालिमा पारवानी, डॉ. आशीष ठाकुर सहित कई उपस्थित थे।

केन्द्रीय बजट 2023-24 पर विशेषज्ञों द्वारा प्रदेश के बजट के लिए दिया प्रस्तुतिकरण

प्रदेश की प्राथमिकताओं के आधार पर तैयार होगा बजट

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्रीशिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि विशेषज्ञों द्वारा दिए गए सुझावों को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश का बेहतर बजट बनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की प्राथमिकताओं को देखते हुए राज्य का बजट तैयार करेंगे। बजट में विकास और जन-कल्याण पर जोर दिया जाएगा। मुख्यमंत्रीचौहान मंत्रालय में केन्द्रीय बजट 2023-24 की विशेषज्ञों द्वारा समीक्षा और प्रदेश का बजट तैयार करने संबंधी प्रस्तुतिकरण पर संबोधित कर रहे थे। मंत्रि-परिषद के सदस्यविश्वास सारंग, सुश्री उषा ठाकुर,ओपीएस भदौरिया, मुख्य सचिवइकबाल सिंह बैंस सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।दउ मंत्रि-परिषद के अन्य सदस्य वर्चुअली जुड़े।

मुख्यमंत्रीचौहान ने कहा कि प्रदेश की अर्थ-व्यवस्था को सुदृढ़ करने में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने विशेषज्ञों को प्रदेश के बजट के लिए सुझाव देने के लिए धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से प्रगति कर रहा है। कृषि के साथ अन्य क्षेत्रों पर भी ध्यान दिया जा रहा है। केन्द्रीय बजट की देश में सराहना हुई है।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि भारत सरकार से बजट में मिली राशि का प्रदेश में बेहतर उपयोग किया जाएगा। संबंधित विभागों द्वारा विशेषज्ञों के सुझाव का ध्यान रखा जाये। ग्रामीणों को गाँव में ही रोजगार दिलाने की हमारी प्राथमिकता है। इस साल 48 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि अधो-संरचना विकास पर खर्च की जाएगी। इसके लिए ग्रामीणों और युवाओं को प्रशिक्षित करेंगे। सहरिया, बैगा, भारिया जनजाति की बहनों के खातों में प्रतिमाह एक हजार रुपए अंतरित करने से कुपोषण दूर करने के प्रयासों में सफलता मिली है। महिला पंचायत में मिले सुझावों को लागू किया गया है। भारत सरकार के बजट में प्रावधानों का अधिकतम लाभ उठाने की हमारी कोशिश रहेगी। सभी विभाग इस पर वर्कआउट शुरु करें। प्रदेश का बजट प्रधानमंत्री जी के संकल्पों को पूरा करने वाला होगा। आगामी बजट मूल आवश्यकताओं को पूरा करने वाला और प्रदेश को ऊँचाइयों पर ले जाने वाला होगा। प्रो. सचिन चतुवेर्दी ने कहा कि प्रदेश के आगामी बजट को बनाने में केन्द्रीय बजट 2023-24 पर अर्थशास्त्रियों द्वारा विशेष समीक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश दूरदर्शिता के साथ बजट में प्रावधान करेगा। मध्यप्रदेश में लगातार प्रगति हो रही है। भारत सरकार ने मत्स्य-पालन को बजट में प्राथमिकता दी है। मध्यप्रदेश के बजट में भी इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए। शहरों के विकास, कृषि एवं ग्रामीण आदि बिन्दुओं पर प्रस्तुतिकरण दिया गया।

डॉ. एन.आर. भानुमूर्ति, कुलपति, डॉ. अम्बेडकर स्कूल ऑफ इकॉनोमिक्स बैंगलुरु, डॉ. अजीत रानाडे अध्यक्ष और मुख्य अर्थशास्त्री आदित्य बिड़ला समूह, प्रो. शामिका रवि पूर्व सदस्य प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद और प्रो. सचिन चतुवेर्दी उपाध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान ने प्रस्तुतिकरण दिया। विशेषज्ञों द्वारा लघु उद्योगों को बढ़ावा, मनरेगा के लिए प्रावधान, रोजगार बढ़ाने, प्रोत्साहन राशि, वित्तीय घाटा कम करने, प्राइवेट सेक्टर का इन्वेस्टमेंट बढ़ाने, स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार, महिलाओं और बच्चों का पोषण के लिए विशेष इंतजाम करने के सुझाव दिए गए।

विकास यात्रा को लेकर राजस्व एवं परिवहन मंत्री ने ली कार्यकर्ताओं की बैठक

हर गांव पहुंचेगी विकास यात्रा, हर गांव होगा खुशहाल: गोविंद सिंह राजपूत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विकास यात्रा को लेकर राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने सुरखी विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की बैठक होटल रॉयल पैलेस में ली जिसमें 09 फरवरी से प्रारंभ होने वाली विकास यात्रा के संबंध में समस्त कार्यकर्ताओं से चर्चा की गई। इस अवसर पर श्री राजपूत ने कहा कि विकास यात्रा में हर कार्यकर्ता की सहभागिता आवश्यक है यह विकास यात्रा गांव गांव तक पहुंचेगी विकास यात्रा का उद्देश्य है कि हर गांव संपन्न हो साथ ही विकास यात्रा में किसी कारणवस छूटे हुये पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने का कार्य भी किया जायेगा।

राजपूत ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा हर वर्ग को ध्यान में रखकर योजनायें बनायीं गईं है फिर चाहे वह खाद्यान वितरण हो, किसान सम्मान हो, नल जल योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, कन्यादान योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी विभिन्न हितग्राही मूलक योजनायें भाजपा सरकार द्वारा चलाईं जा रहीं है जिससे हर वर्ग लाभांवित हो रहा है। विकास यात्रा में सुरखी विधानसभा क्षेत्र के ऐसे विद्यार्थियों का सम्मान भी किया जायेगा जो 75 प्रतिशत से अधिक 10वीं तथा 12वीं में लाये हैं। सुरखी विधानसभा क्षेत्र में यह यात्रा 09 फरवरी से प्रारंभ होकर 01 मार्च तक चलेगी जिसमें सभी कार्यकर्ता अपने अपने क्षेत्र में विकास यात्रा में सहयोग करें। हर कार्यकर्ता अपने क्षेत्र के ऐसे लोगों को चिन्हित करें जो किसी कारण से शासन की योजनाओं से वंचित रह गये है उन्हें शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के लिये उनकी मदद करें विकास यात्रा में कोई भी पात्र हितग्राही नहीं छूटे इस बात का कार्यकर्ता ध्यान रखें भाजपा का मुख्य उद्देश्य सबका साथ सबका विकास है इसलिये हर व्यक्ति को शासन की योजनाओं से जोड़े एवं उन्हें लाभ दिलायें।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत, वरिष्ठ भाजपा नेता गुलाब सिंह राजपूत सहित सुरखी विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आशा ऊषा महिला संगठन ने बैठक कर सौंपा मांगों का ज्ञापन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आशा ऊषा महिला संगठन की प्रदेश स्तरीय बैठक का आयोजन शाहजहानी पार्क भोपाल में नर्मदा ठाकरे प्रदेश अध्यक्ष के मार्गदर्शन में किया गया। जिसमें आगामी कार्यक्रमो के प्रति रणनीति एवं कार्य-योजना तैयार की गई। जिसमें प्रदेश संरक्षक अमित पटेल एवं प्रदेश संगठन मंत्री प्रेम बाई/अंजेश बमन्या जिलाध्यक्ष बैतूल शवाना शेख मंजू कुशवाह छिंदवाड़ा दयाबाई अहिरवार विदिशा बबीता पाल रायसेन रुकमणी पवार ब्लाक अध्यक्ष बैतूल राधा धाकरिया छिंदवाड़ा संगीता खातरकर पटटन वंदना पोजदार जिला विदिशा से जिला कोषाध्यक्ष माधवी विश्वकर्मा सहित 28 जिलों से जिलाध्यक्ष ब्लाक अध्यक्ष शामिल हुई। बैठक के तुरंत पश्चात नर्मदा ठाकरे प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल मंत्रालय वल्लभ भवन पहुंचा जहां पर रमेशचन्द्र शर्मा से मुलाकात कर मांगपत्र दिया। जिसमें 6 सूत्रीय मांगों में से एक मांग पर नियमितीकरण करने एक निश्चित मानदेय देने पर सहमति दी एवं मांग पूर्ण करने का अतिशीघ्र आश्वासन दिया गया।

गोविन्दपुरा विधानसभा में विकास की नई इबारत लिखी जा रही: कृष्णा गौर

3 करोड़ 97 लाख से अधिक के विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया गया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

गोविन्दपुरा विधानसभा क्षेत्र में दूसरे दिन विकास यात्रा में विधायक कृष्णा गौर ने भगवान शंकर की पूजा के साथ वृक्षारोपण कर विकास यात्रा का प्रारंभ की। वार्ड क्रमांक 53 के हनुमान नगर में सीसी रोड की लागत 2 करोड़ रूपए का भूमिपूजन और स्ट्रीट लाईट की 30 लाख रूपए की लागत से स्वीच ऑन करके विधायक द्वारा लोकार्पण किया गया। संजय नगर में डामर रोड का भूमिपूजन कर लगभग 3 करोड़ 67 लाख रूपए का विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया गया। विधायक श्रीमती गौर द्वारा मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के अंतर्गत हितग्राहियों को संबल कार्ड योजना एवं अन्य योजनाओं के स्वीकृति पत्र दिए गए।

गोविन्दपुरा विधायक कृष्णा गौर ने विकास यात्रा को संबोधित करते हुए कहा कि गोविन्दपुरा विधानसभा विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। उन्होंने कहा कि गोविन्दपुरा विधानसभा क्षेत्र में अनेकों विकास के कार्य किए जा रहे है। श्रीमती गौर ने कहा कि प्रदेश की 230 विधानसभाओं में विकास यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन विकास यात्राओं में जन - जन को विकास कार्यों और उपलब्धियों के बारे में बताया जा रहा है और पात्र हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र भी प्रदान किए जा रहे है।

श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि हमारे क्षेत्र का कोई भी नागरिक परेशान न हो इसके लिए क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा बेहतर के कार्य किए जा रहे हैं।

श्रीमती गौर ने कहा कि मैने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए राशि की मांग की थी। मुख्यमंत्री द्वारा गोविन्दपुरा क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए 15 करोड़ रूपए की राशि स्वीकृत की। श्रीमती गौर ने कहा कि इसी राशि से वार्ड क्रमांक 53 में शनि मंदिर से लेकर 2 करोड़ की रोड का निर्माण किया जा रहा है साथ ही इसी रोड़ पर 30 लाख रूपए की लागत से लाईट की व्यवस्था की गई है जो आज से ही शुरू कर दी गई है। विधायक ने बताया कि अभिनव पैलेस होटल से सीसी रोड़ का निर्माण 2 करोड़ की लागत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गरीबों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार द्वारा सबका साथ सबका विकास के अनुसार विकास कार्य और आम लोगों के जीवन को बेहतर बनाने का काम किया जा रहा है। विकास यात्रा कार्यक्रम में गणेश राम नागर विधानसभा सह प्रभारी, बारेलाल अहिरवार पूर्व पार्षद, एमआईसी सदस्य जितेन्द्र शुक्ला, यात्रा के प्रभारी, टीआर मिश्रा, एसडीएम गोविन्दपुरा क्षितिज शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

राजस्व कार्यों का निराकरण ग्राम की चौपाल पर करें: राज्यमंत्री

इन्दर सिंह परमार ने ग्राम दुग्धा से विकास यात्रा का किया शुभारंभ

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाला हर व्यक्ति किसान है। किसानों के राजस्व संबंधी कार्यों जैसे अविवादित नामांतरण, फौती नामांतरण आदि के कार्य ग्राम की चौपाल पर तत्काल होना चाहिये। सरकार की मंशा है कि सभी पात्र लोगों को सरकार की योजनाओं का फायदा मिले। राज्य की सरकार आमजन के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएँ संचालित कर रही है। यह बात स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) एवं सामान्य प्रशासन राज्यमंत्री इन्दर सिंह परमार ने आज शाजापुर जिले के शुजालपुर विकासखण्ड के ग्राम दुग्धा में विकास यात्रा के शुभारंभ अवसर में कही। ग्राम दुग्धा में विकास यात्रा का शुभारंभ राज्यमंत्रीपरमार ने पंचायत भवन पर तिरंगा ध्वज फहराकर किया। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 05 फरवरी से 25 फरवरी तक हर गांव एवं नगर के वार्डों में विकास यात्रा निकाल कर नागरिकों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। साथ ही पात्र व्यक्तियों को लाभांवित करने के लिए आवेदन भी प्राप्त किये जा रहे हैं। इस क्रम में आज दूसरे दिन शुजालपुर विकासखण्ड के ग्राम दुग्धा से विकास यात्रा का शुभारंभ हुआ। यह यात्रा ग्राम पचावदा, खेड़ाबोल्दा, रायपुर, पिपलौदा, पेवची, गागलाखेड़ी व चौकी मुरादाबाद जाना प्रस्तावित है।

ग्राम दुग्धा एवं पचावदा में अयोजित हुए समारोह के दौरान राज्यमंत्रीपरमार ने बताया कि दोनों ग्रामों में 30 लाख 75 हजार रूपये के कुल 16 कार्य पूर्ण हुए हैं। ग्राम दुग्धा में राज्यमंत्रीपरमार ने 2 लाख 12 हजार 400 रूपये लागत से निर्मित सीमेंट कांक्रीट सड़क का लोकार्पण किया। इसी तरह ग्राम पचावदा में उन्होंने लोकस्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा रेट्रो फिटिंग नवीन योजना अंतर्गत 41 लाख 35 हजार रूपये की लागत से तैयार की गई नलजल योजना का स्वस्तिक बनाकर शुभारंभ किया।

राज्यमंत्रीपरमार ने बताया कि प्रदेश में सर्वसुविधा युक्त सीएम राईज विद्यालयों का निर्माण किया जा रहा है। शाजापुर जिले में भी 06 सीएम राईज विद्यालय स्वीकृत किये गये हैं। इनमें से गुलाना के विद्यालय का निर्माण पूर्ण हो गया है, जिसका शीघ्र ही लोकार्पण होगा तथा शुजालपुर के सीएम राईज विद्यालय का भूमिपूजन भी हो चुका है और चार शेष विद्यालयों का शीघ्र ही भूमिपूजन होगा। इन विद्यालयों में अब गरीब व्यक्ति के बच्चें भी सस्ती एवं अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे।

ग्राम पचावदा में राज्यमंत्रीपरमार ने ग्राम पचावदा में नलजल योजना का कार्य पूर्ण होने पर ग्रामीणों को शुभकामनाएं दी और कहा कि प्रधानमंत्री के स्वप्न हर-घर नल से जल को पूरा करने जा रहे हैं। नलजल योजना के क्रियान्वयन से अब ग्रामीणों को दिक्कत नहीं आयेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि जिन ग्रामीणों के घर छूट गए हैं उन्हें भी शीघ्र ही नल कनेक्शन दिया जायेगा। राज्य एवं केन्द्र सरकार की मंशा है कि हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली एवं बदलाव आए, इसके लिए विभिन्न योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है। इस अवसर पर उन्होंने ग्राम पचावदा में सड़क के किनारे बने गड्ढे को भरने के लिए विधायक निधि से एक लाख रूपये भी मंजूर किये। राज्यमंत्रीपरमार ने ग्राम पचावदा में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को परीक्षण किट का वितरण भी किया।

विद्यालयों का निरीक्षण: ग्राम पचावदा के शासकीय माध्यमिक एवं प्राथमिक विद्यालयों का स्कूल शिक्षा राज्यमंत्रीपरमार ने निरीक्षण भी किया। इस मौके पर विद्यालय भवन के फर्श और दीवारों की मरम्मत कराने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने विद्यालय के छात्र-छात्राओं से संवाद भी किया।परमार ने उपस्थित शिक्षकों को निर्देश दिये कि वे विद्यालय में छात्र संख्या बढ़ाने के लिए प्रयास करें तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा दें। इस दौरान कलेक्टरदिनेश जैन, जनपद पंचायत शुजालपुर अध्यक्ष श्रीमती सीताबाई पाटोदिया, अनुविभागीय अधिकारीसत्येन्द्र प्रसाद सिंह सहित विभिन्न अधिकारीगण, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

विजयवर्गीय समाज ने किया उत्कृट काम करने वालों का सम्मान

भोपाल। विजयवर्गीय समाज के गुरु रामचरण महाराज की 303वीं जयंती मनाई गई। रविवार को लालघाटी स्थित विजयवर्गीय मांगलिक भवन में आयोजित कार्यक्रम में उन जोड़ों को सम्मानित किया गया जिनकी शादी के 50 साल पूरे हो गए है। विजयवर्गीय समाज के अध्यक्ष मनीष विजयवर्गीय ने बताया कि सम्मानित होने वाले जोड़ों में ओमप्रकाश और सुशीला, पुरुषोत्तम, हेमलता, विनोद सावित्री विजयवर्गीश शामिल थे। वहीं समाज के लिए उत्कृष्ट काम करने वाले समाजसेवी वरिष्ठजनों, मेधावी स्टूडेंट को सम्मानित किया गया।

सम्पादकीय

मानस की चौपाइयों से लेकर जन मानस तक...

रामायण की चौपाइयों को लेकर उठा विवाद अभी थमा नहीं है, इसे लेकर राजनीति तो गरमा ही रही है, जातिगत बयानों का दौर भी तेज हो गया है। संभवत: इस विवाद को ही थामने के लिए संघ प्रमुख मोहन भागवत ने हाल ही में एक बयान दे दिया। उन्होंने इस विवाद का जिक्र तो नहीं किया, लेकिन परोक्ष रूप से उनका मंतव्य विवाद को थामना ही है। वे कहते हैं ईश्वर ने हम सबको एक जैसा बनाया। हमें जातियों में पंडितों ने बाँटा। इस जातिवाद का फ़ायदा दूसरों ने उठाया। दूसरों से उनका मतलब था, आजादी से पहले अंग्रेजों ने और बाद में तथाकथित राजनीतिक पार्टियों ने। लेकिन इस बयान को ब्राह्मण समाज गंभीरता से ले रहा है।

मनुवाद को लेकर तो काफी बहस और चर्चाएं हो चुकी हैं, होती रहती हैं। पुराने समय की बात करें तो साम्राज्य की खातिर अंग्रेजों ने जिन अलग-अलग, असमान लोगों को एक किया था, राज को लम्बा खींचने के लिए वे उन्हीं सब को टुकड़ों को बाँटने लगे। उन्होंने ग़ैर हिन्दुओं को, क्षेत्रीय भाषाओं को, जातियों को और समूहों को और जो उनके गणित से मिशनरियों को सर्वाधिक सुलभ थे- भोले- भाले आदिवासी और अछूतों (तब) को मिलाने का भरपूर प्रयास किया। और आज़ादी के बाद कुछ राजनीतिक दलों ने भी अंग्रेजों की यही परम्परा क़ायम रखी। गोरे अंग्रेज चले गए और हम काले अंग्रेजों की गिरफ़्त में आकर टुकड़े-टुकड़े होते गए। आज भी हो रहे हैं।

देखा जाए तो राजनीतिक दलों के साथ ही सामाजिक संगठनों ने भी राजनीति के प्रभाव में आ कर या राजनीति में अपनी जगह बनाने के लिए जातिगत सियासत का सहारा लिया। लोग समझ गए थे कि अपने को शोषित महसूस करके ये तबके जब क्षुब्ध होंगे, उत्तेजित होंगे, तो इनमें से अनुयायी निकल कर आएँगे। गरीब, आदिवासी और वंचित तबका इनके इस दुष्प्रचार का स्वाभाविक लक्ष्य था। लोगों की भावनाओं, उनके दुख में लोग न्याय की संभावना तलाशने की आड़ में राजनीति कर रहे थे। न्याय उन तबकों को तो बरसों-बरस नहीं मिल पाया, राजनीतिक दलों को वोट ज़रूर भर- भर कर मिले।

इन्हीं वोटों की तलाश में अब रामायण की चौपाइयों को निशाना बनाया जा रहा है। चौपाइयों को जातिवाद से जोड़कर उनकी तरह-तरह की व्याख्या की जा रही है। वास्तविकता यह है कि कोई भी ग्रंथ किस कालखण्ड में लिखा जाता है और तब क्या परिस्थितियाँ रही होंगी, उसकी हम कई साल बाद आज के समय में तुलना नहीं कर सकते हैं। सकारात्मकता अगर उन्हीं ग्रंथों में देखी जाए तो कल को सुधारने की बड़ी गुंजाइश होती है। इसे लेकर बवाल तो मच रहा है, लेकिन सवाल यह भी तो उठना चाहिए कि आखिर मानस की चौपाइयों का मामला उठा कैसे और कहां से? कहीं नाम बदले जाने और तमाम पुस्तकों में लिखे साहित्य और इतिहास को बदले जाने, इतिहास को गलत साबित करने के प्रयासों की प्रतिक्रिया तो नहीं है? जो राजनीति एक तबका करता है, या करने का प्रयास करता है, उसका जवाब दूसरा तबका तलाशने लगता है।

आखिर हर दूसरी-तीसरी फिल्म में शामिल दृश्य, संवाद या गाने का विरोध क्यों हो रहा है? क्यों समाज को बांटने वाली ताकतों को सत्ता में बैठे लोगों का साथ मिल रहा है? जातिगत और सांप्रदायिक अलगाव को हवा कौन दे रहा है? और क्यों दे रहा है? हम क्यों राजनीतिक अंधेपन के शिकार हो रहे हैं? क्या किसी को अपनी बात कहने से इसलिए रोका जाए कि वह अमुक संप्रदाय का है? क्या हर जाति अब राजनीतिक पार्टियों के हिसाब से ही अपना इतिहास बनाएंगी? क्या जातिगत राजनीति को और अधिक बढ़ावा नहीं दिया जा रहा है? संघ प्रमुख के बयान को लेकर अब दूसरा वर्ग नाराज होता दिख रहा है। मनुवादी व्यवस्था के खिलाफ तो बहुत कुछ बोला जा चुका है, समाज का विभाजन भी कई बार हुआ है, और धर्म परिवर्तन के मामले भी कहीं न कहीं इसके कारण ही सामने आते रहे हैं।

हमें सोचना तो यह होगा कि आखिर हम कहां जा रहे हैं? हमारे लिए सब कुछ राजनीति ही हो गई है क्या? समाज को जोड़ने की जिम्मेदारी जिस पर है, वही तो समाज को बांटने का काम करता दिखने लगता है। फिर हम भरोसा किस पर करें? खुद विवाद करने वाले क्या विवाद को रोकेंगे? सही बात तो यह है कि एक-दूसरे पर आरोप थोपने के बजाय, सभी लोग अपने गिरेबानों में झांकें। हम खुद जो पहल कर रहे हैं, उस पर नियंत्रण करें। समझते सब हैं, प्रतिक्रिया तत्काल कम ही लोग देते हैं, लेकिन चुप्पी को किसी की कमजोरी समझना ठीक नहीं होगा। भड़काने के बजाय मामले शांत किए जाने की आवश्यकता है और यह बयानों से नहीं होगा। समाज के बीच में जा कर और अपने व्यवहार में समरसता लानी होगी। हां, यह राजनीतिक और दिखावटी समरसता नहीं हो।

प्रशासनिक अधिकारियों से ही है सरकार की इमेज

-अरुण पटेल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कलेक्टर-कमिश्नर कान्फ्रेंस में अलग ही अंदाज में नजर आये और सख्त लहजे में उन्होंने कलेक्टर, कमिश्नर, एसपी, आईजी सहित अन्य मैदानी अमले को मिशन मोड में काम करने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि आईएएस अफसर अपने पूरे कैरियर में 6 से 7 साल कलेक्टर रहता है इसलिए ऐसा काम करो कि लोग याद रखें क्योंकि आपसे ही सरकार की इमेज बनती है। आफिस में बैठने की बजाय मैदान में जाओ, आप जैसा करोगे वैसी ही सरकार की इमेज बनेगी। सोशल मीडिया के बढ़ते महत्व को एक प्रकार से रेखांकित करते हुए शिवराज ने कहा कि आप लोग सोशल मीडिया पर सक्रिय रहें क्योंकि यहीं से कलेक्टरों का परफारमेंस पूरा देश देखता है। अपराधों पर कड़ाई से नियंत्रण लगायें और जहां जरुरत हो वहां बिना हिचके एक्शन लें। उन्होंने एक पूरे दिन कलेक्टर, एसपी सहित अन्य मैदानी अमले से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उनका कहना था कि जिला एवं संभागों में कलेक्टर और कमिश्नर ही प्रतिनिधि हैं।

लोकतंत्र में हमारा लक्ष्य जनता का कल्याण और उन्हें बेहतर जीवन देना है इसलिए प्रदेश वासियों को बिना परेशानी के समयसीमा में बिना लिये-दिये योजनाओं का लाभ मिले और शासन से संबंधित काम आसानी से हो जायें, यही सुशासन है। भले ही शिवराज की अपेक्षा कुछ भी हो लेकिन उनकी अपेक्षा की कसौटी पर प्रशासनिक अमला कितना खरा उतरता है यह कुछ समय बाद ही पता चल सकेगा, क्योंकि जो आदत वर्षों से पड़ गई है उसको बदलने में कुछ न कुछ समय तो लगेगा ही।

प्रदेश में 5642 अवैध कालोनियां हैं जिन्हें वैध करने पर जोर देते हुए शिवराज ने कहा कि इसके लिए व्यावहारिक नीति बने। वर्षों से जो कालोनियों में रह रहे हैं उन्हें परेशानी न हो, इसके लिए समयबद्ध अमल पर उन्होंने जोर दिया। कड़े तेवर दिखाते हुए उनका कहना था कि कालाबाजारी बर्दास्त नहीं करेंगे, कोई गरीब का राशन खाये तो तुरन्त एक्शन लें और कलेक्टर खुद राशन की निगरानी करें। माफियाओं पर सख्त कार्रवाई करने की बात कहते हुए उन्होंने अतिक्रमण विरोधी मुहिम लगातार चलाने का निर्देश देते हुए यह भी सीख दी कि विभाग आपस में समन्वय से काम करें। आप साधारण नहीं हैं यह कहते हुए उन्होंने कहा कि हम वो लोग हैं जिन्हें जनता की जिन्दगी बदलने का सौभाग्य मिला है, हम उनकी जिन्दगी बदलने के लिए काम कर रहे हैं, आप सभी साधारण नहीं बल्कि मध्यप्रदेश के सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं। 52 कलेक्टर, 10 कमिश्नर, वल्लभ भवन के वरिष्ठ अफसर यही टीम मध्यप्रदेश है जो प्रदेश की उन्नति के लिए समर्पित है। उनकी यह भी सलाह थी कि कलेक्टर्स नवाचार करें, अलग से ओपन हाउस चर्चा भी करें, जो अच्छा काम करे उसे पुरस्कार दें और खराब काम पर दंड की व्यवस्था हो।

जहां उन्होंने कुछ कलेक्टर्स की अच्छे कामों के लिए तारीफ की तो वहीं दूसरी ओर पीएम आवास और राशन वितरण जैसी योजनाओं में लेटलतीफी के लिए अप्रसन्नता भी जताई। उनका जोर इस बात पर था कि लक्ष्य के हिसाब से काम हों। काम की गुणवत्ता सुधारी जाए, प्रशासनिक क्षेत्र में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए और कौन बेहतर काम करता है इसका जुनून स्पर्धा में हो। जहां उन्होंने कुछ की पीठ थपथपाई तो कुछ को सख्ती भी दिखाई। जब कलेक्टरों की बारी आई तो उन्होंने जो कुछ कहा उसका केंद्रीय स्वर यही था कि पटवारी और सचिव गांवों में रहते ही नहीं हैं कई दूसरे कामों में उलझे रहते हैं इसका हल निकालना होगा और खाली पदों की समस्या को भी हल करना होगा। नवाचारों के लिए अलग से फंड होने की बात आने पर शिवराज ने भी नवाचार के लिए अलग फंड की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। इस प्रकार अब राजनीतिक मोर्चे पर पूरा ध्यान देने के साथ ही शिवराज प्रशासनिक अमले में भी कसावट लाने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं ताकि जिनके हितों के लिए जो योजनायें बनें उनका लाभ हितग्राही तक पहुंचे । हितग्राहियों का एक अलग वोट बैंक तैयार करने की पहल भाजपा केंद्रीय स्तर से कर रही है और शिवराज भी उसमें अन्य राज्यों से अब्बल रहना चाहते हैं।

डूबते को देरी से एक तिहाई सहारा

-राकेश दुबे

और केंद्र सरकार ने डूबते वोडाफोन आइडिया में 33 प्रतिशत हिस्सेदारी लेने का निर्णय ले ही लिया है। इसके साथ ही वह वित्तीय संकट से जूझ रही इस दूरसंचार कंपनी में 33 प्रतिशत की हिस्सेदार बन जाएगी। प्रथमदृष्टया यह सकारात्मक घटना लगती है। वैसे केंद्र सरकार ने इस निर्णय को लेने में जो देरी की उससे दूरसंचार कंपनियों और इस क्षेत्र को बहुत नुकसान पहुंच चुका है।

कहने को ब्याज शेयर में बदले गये हैं, ब्याज को शेयर में बदलने के पीछे शायद विचार यही है कि दूरसंचार उद्योग को दो कंपनियों के बीच रह जाने से बचाया जा सके। अगर ऐसा हुआ तो उपभोक्ताओं के लिए अच्छे परिणाम नहीं होते , परंतु सरकार के निर्णय में देरी के कारण दूरसंचार उद्योग के मन में दो कंपनियों के दबदबे का डर घर कर गया। ऐसा मोटे तौर पर इसलिए हुआ कि बीते कुछ महीनों में इस दूरसंचार कंपनी के ग्राहक काफी बड़ी तादाद में दूसरी कंपनियों के पास चले गए।

वैसे यह कंपनी 5 जी सेवाओं की दिशा में भी कोई प्रगति नहीं कर सकी है जबकि अन्य कंपनियां तेजी से 5 जी में प्रवेश कर रही हैं। इसके अलावा इसके नेटवर्क में निवेश भी नाममात्र का ही रहा है और उसकी नकदी की स्थिति भी खराब हुई है और कंपनी अपने वेंडर्स का भुगतान करने में भी अक्षम रही है।प्रवर्तक भी अपनी बात पर अड़े रहे और उन्होंने नया निवेश करने से इनकार कर दिया। फंड जुटाने की कंपनी की कोशिशें भी निष्फल रहीं, क्योंकि सरकार द्वारा हिस्सेदारी नहीं लेने के कारण बाहरी निवेशक भी कंपनी पर भरोसा नहीं कर पा रहे थे। अत्यधिक उलझन की स्थिति तब बन गई जब दूरसंचार विभाग ने यह शर्त रख दी कि वोडाफोन आइडिया के प्रवर्तकों को पहले रकम जुटानी होगी उसके बाद ही 16,133 करोड़ रुपये मूल्य के ब्याज को सरकारी हिस्सेदारी में बदला जाएगा।

जब प्रवर्तकों ने फंड डालने से मना कर दिया तो सरकार ने भी हिस्सेदारी लेने का अपना निर्णय स्थगित कर दिया था । इसके परिणामस्वरूप बाहरी फंडिंग अत्यधिक चुनौतीपूर्ण हो गई। बीते शुक्रवार को शेयर बाजार की एक अधिसूचना में वोडाफोन आइडिया ने कहा कि केंद्र सरकार ने एक आदेश पारित करके कंपनी से कहा है कि वह स्पेक्ट्रम से संबंधित ब्याज के विशुद्ध वर्तमान मूल्य तथा समायोजित सकल राजस्व को सरकार के लिए हिस्सेदारी में बदले।

कंपनी को नया निर्देश दिया गया कि वह 10 रुपये प्रति शेयर के मूल्य से शेयर जारी करे। संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि ब्याज को शेयर में बदलने का निर्णय वोडाफोन आइडिया के संयुक्त साझेदारों में से एक बिड़ला द्वारा यह स्वीकार करने के बाद लिया गया कि कंपनी में नई पूंजी डाली जाएगी। साथ ही किसी प्रवर्तक द्वारा इस पूंजी की मात्रा या निवेश के समय के बारे में किसी जानकारी के बिना वोडाफोन आइडिया के भविष्य के बारे में अनुमान लगाना मुश्किल था और है।

अभी भी बाहरी निवेशकों से फंड जुटाना बड़ी चुनौती बनी रहेगी, बशर्ते कि प्रवर्तक नुकसान की भरपाई के लिए तेजी से कदम उठाएं। ब्रिटेन की कंपनी वोडाफोन पीएलसी लागत कटौती में लगी है और वह अपने कारोबार को युक्तिसंगत बनाने का प्रयास कर रही है, लेकिन वह भारतीय दूरसंचार कारोबार में निवेश करेगी या नहीं यह देखना होगा। बिड़ला परिवार ने भी अभी निवेश की योजना के बारे में साफ तौर पर कुछ नहीं कहा है। ध्यान रहे 2021 के अंत में सरकार द्वारा शेयर परिवर्तन की पेशकश के बाद हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं।

केंद्र सरकार यह ताजा निर्णय केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा दूरसंचार कंपनियों के स्पेक्ट्रम और एजीआर बकाये को सरकारी हिस्सेदारी में बदलने को मंजूरी देने के 16 महीने बाद आया है। हालांकि यह पेशकश सभी कंपनियों को की गई थी लेकिन वोडाफोन आइडिया के बोर्ड ने 2022 के आरंभ में इसका चयन किया। सरकार ने इन तमाम महीनों में कोई कदम नहीं उठाया।यूँ तो शुरुआत में तो इसकी कोई वजह भी नहीं बताई गई और बाद में इस पेशकश को सशर्त बनाते हुए कहा गया कि पहले प्रवर्तक निवेश करें। निवेश के सतर्क माहौल को देखते हुए इस दूरसंचार कंपनी का उबरना कठिन चुनौती है,क्योंकि सितंबर 2022 तक इस पर 2.2 लाख करोड़ रुपये का कर्ज था। इस मामले में समय कीमती रहा है और सरकार को समय बचाना चाहिए था।ख़ैर, डूबते को मिला यह सहारा क्या रंग दिखता है, प्रतीक्षा रहेगी।

परवेज: वर्दी वाला आतंकवादी

राकेश अचल

पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्पति परवेज मुशर्रफ पर लिखना इसलिए आवश्यक है क्योंकि वो इस युग में हमारे पड़ौस का सबसे बड़ा खलनायक रहा। एक कम अस्सी के परवेज मुशर्रफ को भूल पाना बहुत आसान काम नहीं है। परवेज की क्रूरता ,उसके अंग-प्रत्यंग से टपकती थी .परवेज खुशनसीब था या नहीं लेकिन बदनसीब जरूर था क्योंकि उसे मरने के लिए भी अपने वतन में जगह नहीं मिली

मुझे परवेज मुशर्रफ की वर्दी और कातिलाना मुस्कान हमेशा आकर्षक लगती थी. परवेज मुशर्रफ पाकिस्तान बनने से पहले अविभाजित भारत में जन्में थे .वे खुशनसीब इसलिए थे कि उन्होंने एक निर्वाचित सरकार का तख्ता पलट कर कोई सात साल पाकिस्तान पर एकछत्र राज किया, लेकिन बदनसीब इसलिए हुए क्योंकि जब सत्ता गयी तो उन्हें मुल्क छोड़कर भागना पड़ा ,क्योंकि जिस पाकिस्तान पर उन्होंने राज किया था उसी मुल्क की सबसे पड़ी अदालत ने उन्हें मौत की सजा भी सुनाई थी। कायदे से तो वे उसी दिन मर गए थे ,जिस दिन उन्होंने अपना मुल्क छोड़ा था लेकिन भौतिक रूप से उनकी मौत अब दुबई में हुई है।

परवेज मुशर्रफ की रगों में दिल्ली का नमक और पानी था। दरियागंज का ये छोरा दरियादिल कभी नहीं बन पाया . देश विभाजन के बाद कराची जाकर उसकी रगों में जहर बहने लगा .परवेज अपनी मेहनत और इच्छाशक्ति के बूते पकिस्तान के सेना अध्यक्ष पद तक पहुंचा और बाद में उसने अक्टूबर 1999 में नवाज़ शरीफ़ का तख्ता पलट करके सरकार पर कब्जा कर लिया। मई 2000 में पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय ने पाकिस्तान में चुनाव करने के आदेश दिए लेकिन मुशर्रफ़ ने चुनाव करना तो दूर जून 2001 में तत्कालीन राष्ट्रपति रफीक़ तरार को हटा दिया व खुद राष्ट्रपति बन गए। अप्रैल 2002 में उन्होंने राष्ट्रपति बने रहने के लिए जनमत-संग्रह कराया जिसका अधिकतर राजनैतिक दलों ने बहिष्कार किया। अक्टूबर 2002 में पाकिस्तान में चुनाव हुए जिसमें मुशर्रफ़ का समर्थन करने वाली मुत्ताहिदा मजलिस-ए-अमाल पार्टी को बहुमत मिला। इनकी सहायता से मुशर्रफ़ ने पाकिस्तान के संविधान में कई परिवर्तन कराए जिनसे 1999 के तख्ता-पलट और मुशर्रफ़ के अन्य कई आदेशों को वैधानिक सम्मति मिल गई।

पाकिस्तान बनने के बाद मुशर्रफ भारत के लिए सबसे बड़ा खलनायक बना .उसने भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी की उदारता को भी ठेंगा दिखा दिया .परवेज पाकिस्तान के प्रमुख के रूप में भारत आया ,दिल्ली में अपने जन्मस्थल पर गया और प्रेम की नगरी आगरा में उसने भारत के साथ शिखर वार्ता भी की ,लेकिन न कुछ बदलना था और न कुछ बदला ,उलटे भारत को कारगिल युद्ध का सामना करना पड़ा।

दुनिया में जितने भी खलनायक यानि तानाशाह हुए हैं उनकी यदि फेहरिस्त बनाई जाए तो परवेज उस फेहरिस्त में दसवें नंबर पर आता है. उसके राज में पाकिस्तान ने सबसे बुरे और खून-आलूदा दिन देखे .भारत की तरह आपातकाल देखा. नबाब अकबर खान बुग्ती और श्रीमती बेनजीर भुट्टो जैसे नेताओं का कत्ल देखा .लाल मस्जिद पर आतंकी हमला देखा .मुझे उसमें हमेशा वर्दी वाला आतंकवादी बैठा दिखाई देता था .उसने नवाज शरीफ का ही तख्ता नहीं पलटा था बल्कि देश के शीर्ष न्यायाधीश को भी बर्खास्त कर दिया था .पाकिस्तान के दिन बदले ,वहां परवेज के खिलाफ बगावत हुई तो वो देश छोड़कर भाग गया,हिम्मत कर वापस लौटा तो दोहरी हत्यायों के मामले में गिरफ्तार किया गया. मुकदद्मे चले तो मौत की सजा मिली ,लेकिन पाकिस्तान वाले उसे फांसी के फंदे पर नहीं लटका पाए. वो भागकर फिर विदेश चला गया .आखरी दिनों में उसका ठिकाना दुबई था और वहीं उसने अंतिम सांस ली।

जैसे दूसरे तानाशाहों को अपने सीने पर तमगे लटकाने का शौक होता है वैसा ही शौक परवेज मुशर्रफ ने भी पाल रखा था. उसने पाकिस्तान के तमाम सम्मान खुद हासिल कर लिए थे फिर चाहे वो नशाने इम्तियाज हो या तमगाए वसालत .परवेज पकिस्तान के इतिहास का ऐसा काला अध्याय है जिसे हटाना आसान नहीं है .पकिस्तान में चुनी हुई सरकारों को परवेज ने पहली बार नहीं गिराया था. पहले भी ऐसा हुआ और परवेज के बाद भी .पकिस्तान में परवेज मुशर्रफ जैसे तनाशा जन्म लेते रहे हैं और शायद आगे भी ये सिलसिला थमने वाला नहीं है .पाकिस्तान में प्रधानमंत्री को या तो फांसी के फंदे पर लटकाया जाता है या गोली मार दी जाती है .जो खुशनसीब होते हैं वे जेल में सड़ते हैं या फिर उन्हें परवेज मुशर्रफ की तरह ही देश छोड़कर भागना पड़ता है .परवेज को मरने के बाद जन्नत नसीब होगी या नहीं ये अल्लाह जाने लेकिन दुनिया को एक पूर्व तानाशाह की कहानी से निजात जरूर मिल गयी है।

कानून और न्याय: मूल संरचना सिद्धांत और हमारा संविधान

विनय झैलावत

मूल संरचना सिद्धांत लगभग पांच दशक पहले सुप्रीम कोर्ट के तेरह न्यायाधीशों की संविधान पीठ के फैसले में विकसित हुआ था। हाल ही में भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस सिद्धांत पर निशाना साधते कहा कि इस फैसले ने एक बुरी मिसाल कायम की। उन्होंने सवाल किया कि क्या न्यायपालिका संविधान में संशोधन करने और लोकतांत्रिक तरीके से कानून बनाने की संसद की शक्तियों पर रोक लगा सकती है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डॉ डीवाई चंद्रचूड़ ने संविधान के 'मूल संरचना सिद्धांत को चमकीला सितारा कहा' जो आगे का रास्ता कठिन होने पर संविधान के व्याख्याताओं और इसे क्रियान्वित करने वालों का मार्गदर्शन करता है। उन्हें एक निश्चित दिशा देता है। मूल संरचना सिद्धांत लगभग पांच दशक पहले सुप्रीम कोर्ट के तेरह न्यायाधीशों की संविधान पीठ के फैसले में विकसित हुआ था। हाल ही में भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस सिद्धांत पर निशाना साधते कहा था कि इस फैसले ने एक बुरी मिसाल कायम की। उन्होंने सवाल किया कि क्या न्यायपालिका संविधान में संशोधन करने और लोकतांत्रिक तरीके से कानून बनाने की संसद की शक्तियों पर रोक लगा सकती है। मूल संरचना सिद्धांत केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य के प्रसिद्ध मामले में विकसित हुआ, जहां प्रसिद्ध न्यायविद नानी पालकीवाला ने केशवानंद भारती का प्रतिनिधित्व किया था। इस सिद्धांत में पालखीवाला के योगदान के बारे में बात करते हुए सीजेआई ने कहा 'अगर नानी न होते तो हमारे पास भारत में मूल संरचना सिद्धांत नहीं होता।' उन्होंने कहा कि हमारे संविधान की मूल संरचना, एक चमकीले तारे की तरह है, जिससे हमारा मार्गदर्शन होता है। यह संविधान के व्याख्याताओं और कार्यान्वयनकर्ताओं को एक निश्चित दिशा देता है।

सीजेआई ने मूल संरचना सिद्धांत के वैश्विक होने को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि जब भी एक कानूनी विचार किसी अन्य अधिकार क्षेत्र से ले जाया जाता है, तो यह स्थानीय बाजारों पर निर्भर अपनी पहचान में परिवर्तन के दौर से गुजरता है। भारत द्वारा मूल संरचना सिद्धांत को अपनाने के बाद, यह हमारे पड़ोसी देशों जैसे नेपाल, बांग्लादेश और पाकिस्तान में चला गया। मूल संरचना सिद्धांत के विभिन्न सूत्रीकरण अब दक्षिण कोरिया, जापान, कुछ लैटिन अमेरिकी देशों और अफ्रीकी देषों में भी सामने आए हैं। महाद्वीपों में संवैधानिक लोकतंत्रों में प्रवासन, एकीकरण और मूल संरचना के सिद्धांत का सूत्रीकरण दुनिया के कानूनी विचारों के प्रसार की एक दुर्लभ सफलता की कहानी है। इससे बड़ा सम्मान हमारे लिए और क्या हो सकता है!

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने इस विषय पर न्यायाधीशों को संविधान की व्याख्या कैसे करना चाहिए इस संबंध में कहा कि एक न्यायाधीश का शिल्प कौशल संविधान के पाठ को बदलते समय के साथ उसकी आत्मा को कायम रखते हुए उसकी व्याख्या करने में निहित है। मुख्य न्यायाधिपति मुंबई में नानी पालकीवाला मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'परंपरा और बदलाव: पालकीवाला की विरासत एक परस्पर जुड़ी दुनिया' पर व्याख्यान दे रहे थे।

मुख्य न्यायाधिपति ने कहा कि नानी के जीवन और विचारों ने उन ऐतिहासिक घटनाओं और समकालीन भारत के इतिहास को भी आकार दिया। उन्होंने कहा कि नानी एक सच्चे संविधानविद थे, जिन्होंने भारत के संविधान को प्रकट किया और अपना पूरा जीवन हमारे संविधान की अखंडता को बनाए रखने तथा भारतीय नागरिकों के अधिकारों और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। संवैधानिकता की भावना की रक्षा के लिए नानी हमेशा अग्रिम पंक्ति में रहे। मुख्य न्यायाधिपति ने याद किया कि आपातकाल घोषित होने के बाद नानी पालकीवाला ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का प्रतिनिधित्व करना बंद कर दिया था। सीजेआई ने मिनर्वा मिल्स मामले में सुनवाई के बारे में भी बात की। उन्होंने पालकीवाला की प्रतिक्रिया को याद किया और कहा कि 'केवल एक मूर्ख व्यक्ति बर्लिन की दीवार को पश्चिम से पूर्व की ओर कूदने की कोशिश करेगा। सीजेआई ने बताया कि नानी बचपन में हकलाने की समस्या से पीड़ित थे। बाद में उन्होंने इस पर काबू पा लिया। नानी ने 11 साल की उम्र में अपने हकलाने को दूर करने के लिए भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया। उनके पिता ने युवा नानी को अपने मुंह में बादाम घुमाते हुए बोलने की प्रैक्टिस करने के लिए प्रोत्साहित किया था। नानी ने 'कोशिश करो और तब तक करो जब तक तुम सफल नहीं हो जाते' विषय पर भाषण दिया। विषय के सार के अनुसार नानी ने अपने हकलाने पर काबू पाया और फिर एक उत्कृष्ट वक्ता बन गए।

भारतीय संविधान के अनुसार, देश में संसद और राज्य विधानसभाओं को अपने-अपने क्षेत्राधिकार के दायरे में कानून बनाने की शक्ति है। हालांकि, यह शक्ति प्रकृति में संपूर्ण नहीं है। संविधान ने न्यायपालिका को सभी कानूनों की संवैधानिक वैधता पर निर्णय लेने की शक्ति प्रदान की है। यदि संसद या राज्य विधायिका द्वारा बनाया गया कानून भारत के संविधान के तहत निहित किसी प्रावधान की प्रकृति का उल्लंघन करता है, तो सर्वोच्च न्यायालय को संसद द्वारा बनाए गए ऐसे कानून को अमान्य अथवा असंवैधानिक घोषित करने की शक्ति है।

संविधान का आर्टिकल 368 यह प्रकट करता है कि संसद की संशोधन शक्तियां पूर्ण हैं और भारत के संविधान के सभी भागों को शामिल करती हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने देश की आजादी के बाद से ही संसद के विधायी उत्साह को कम करता है। संविधान निर्माताओं द्वारा परिकल्पित मूल आदर्शों को संरक्षित करने के इरादे से सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि संसद इसे संशोधित करने के बहाने संविधान की मूल विशेषताओं को विकृत, खराब या परिवर्तित नहीं कर सकती है। 'मूल ढांचा' शब्द संविधान में नहीं दिया गया है, लेकिन उसका सार उपलब्ध है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

छिंदवाड़ा चौक का नाम शंकराचार्य के नाम होने पर कांग्रेस ने नपा अध्यक्ष की प्रशंसा

सिवनी– दंडी सन्यासी स्वामी प्रज्ञानंद जी सरस्वती महाराजश्री द्वारा छिन्दवाड़ा चौक गणेश मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की प्रदेश सरकार में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजकुमार खुराना द्वारा मंदिर कमेटी के जिम्मेदार लोगों से बात कर मंदिर विस्थापन का सुझाव तत्कालीन जिला कलेक्टर को दिया गया था। इस कार्य के लिए उन्होंने खुराना की प्रशंसा की साथ ही छिन्दवाड़ा चौक का नामकरण शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद जी के नाम रखे जाने एवं शंकराचार्य जी की प्रतिमा स्थापित किये जाने को लेकर नगरपालिका अध्यक्ष शफीक खान की भी प्रशंसा कर कहा कि उन्हें सनातन धर्म का ग्यान भले ही न हो, लेकिन उनकी भावना प्रशंसनिय है, ऐसे महापुरूषों की प्रतिमा चौक-चौराहे पर स्थापित नही होती, वह किसी मंदिर में विराजित होती है। इस चौक में एक स्तंभ स्थापित किया जायेगा, जिसे स्वामी स्वरूपानंद जी के नाम से जाना जायेगा और शंकराचार्य चौक नाम प्रचलन में आ जायेगा।

पंधाना में विधायक ने विकास यात्रा रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया

खण्डवा। नगर परिषद पंधाना द्वारा रविवार को नगर के समस्त वार्डों से विकास यात्रा निकाली गई। विकास यात्रा का शुभारंभ संत श्री रविदास जी चित्र पर माल्यार्पण, सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्जवलन कर किया। इस दौरान सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटील, विधायक श्री राम दांगोडे, अध्यक्ष नगर परिषद पंधाना श्रीमति सुनिता प्रदीप जगधन्ये, अनुविभागीय अधिकारी श्री कुमार शानू देवड़िया द्वारा विकास यात्रा के रथ को हरी झण्डी दिखाई गई। नगर में तीन विकास कार्यों के लोकार्पण की कुल राशि एक करोड अस्सी लाख साठ हजार रूपये एवं पांच भूमिपूजन की कुल राशि दो करोड़ छब्बीस लाख रूपये एवं शासन की योजनाएं एस.डी. आर.एफ. योजना, मुख्यमंत्री अधोसंरचना तृतीय चरण विशेष निधि अंतर्गत किये गये। इसके साथ ही वृक्षारोपण, प्रधानमंत्री आवास योजना का भूमि पूजन एवं ग्रह प्रवेश, वार्ड तीन एवं दस की आंगनवाडी में बच्चों को चॉकलेट विरतण, गांधी प्रतिमा, अम्बेडकर प्रतिमा एवं महाराणा प्रताप प्रतिमा पर माल्यार्पण, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र निरीक्षण किये जाकर विकास यात्रा का समापन सी.एम. राईज स्कूल प्रांगण में किया गया। इसके पश्चात हितलाभ वितरण कार्यक्रम में पी.एम. आवास एवं पी.एम. स्वनिधि योजना के हितग्राहियों द्वारा सफलता की कहानी बताई गई एवं शासन के विभिन्न योजनाओं में हितग्राहियों को प्रमाण-पत्र वितरित किये गये।

5 एमव्हीए क्षमता के सब स्टेशन का हुआ भूमि पूजन

बैरसिया। बसई क्षेत्र में सोमवार को विकास यात्रा के दौरान मध्य क्षेत्र विद्युत

वितरण कंपनी की ओर से 5 एमव्हीए क्षमता के सब स्टेशन का भूमिपूजन किया गया। भूमि पूजन बैरसिया विधायक विष्णु खत्री ने किया।

इस सब स्टेशन के पूर्ण होने के बाद नगर पालिका क्षेत्र के आधे हिस्से को बिजली की पूर्ति की जाएगी। इसके साथ ही आसपास करीब 3 गांवों में भी इसी सब स्टेशन से बिलजी पूर्ति की जाएगी। इसमें गरेठिया, सेमरा, सगोनी गांव शामिल रहेंगे। वर्तमान में बैरसिया नगर में क्षमता से अधिक लोड होने के कारण बिजली कटौती हो जाती है, लेकिन इस सब स्टेशन के तैयार होने के बाद बिजली कटौती होना बंद हो जाएगा। भूमि पुजन के मौके पर एमपीईबी डीई पंकज यादव, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष गोपाल सिंह मीणा, , भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजमल कुशवाह, जिला महामंत्री लक्ष्मी नारायण शिल्पी, भाजपा किसान मोर्चा राज ठाकुर, एई पवन साहू, जेई शिवराज मीना, पार्षद संजय कुशवाह, पार्षद सुनील खटीक, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष आकाश यादव, युवा मोर्चा नगर मंडल अध्यक्ष संजीव कुशवाह सहित अनेक लोग मौजूद थे।

भाजपा ने जिले की नगर पालिका व नगर परिषद हेतु पर्यवेक्षक नियुक्त किए

धार । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णु दत्त शर्मा

द्वारा स्थानीय निकाय चुनाव संपन्न होने के उपरांत नगर पालिका एवं नगर परिषद के लिए अध्यक्ष उपाध्यक्ष के निर्वाचन हेतु भाजपा वरिष्ठ नेताओं को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। जिसकी घोषणा भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं संभाग संगठन प्रभारी श्री भगवानदास सबनानी ने की है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि जिले के नो नगरीय निकाय चुनाव के पर्यवेक्षक इस प्रकार है। नगर पालिका धार चुनाव पर्यवेक्षक श्री सुरेश आर्य, नगर पालिका पीथमपुर पर्यवेक्षक श्री मधु वर्मा, नगर पालिका मनावर शैलेंद्र बरुआ, नगर परिषद कुक्षी पर्यवेक्षक आशुतोष तिवारी, नगर परिषद डही कंचन सिंह चौहान, नगर परिषद सरदारपुर नागर सिंह चौहान, नगर परिषद राजगढ़ बहादुर मुकाती, नगर परिषद धरमपुरी सुभाष कोठारी एवं नगर परिषद धामनोद हरीश कोटवाले को भाजपा चुनाव पर्यवेक्षक किया है। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

नपा छतरपुर में 93 लाख लागत के 6 निर्माण कार्यो का भूमिपूजन

छतरपुर। नगर पालिका छतरपुर में सोमवार को विकास यात्रा जन कल्याणकारी योजनाओं को प्रत्येक पात्र लोगों तक पहुंचाने, विकास कार्यो का भूमिपूजन एवं लोकार्पण करने के उद्देश्य से ग्रीन एवेन्यू कॉलोनी सटई रोड से शुरू की गई। सोमवार

को शुरू हुई इस यात्रा में वार्ड नंबर 19 से 23 नंबर वार्ड तक पांच वार्डो में 93 लाख की लागत से होने वाले 6 निर्माण कार्यो का भूमिपूजन किया गया। सटई रोड स्थित वार्ड नंबर 21 में स्थित अमृत पार्क में व्यायाम के लिए ओपन जिम एवं लागत 12 लाख 69 हजार रूपए की लागत से बच्चों के किड्स प्ले जोन का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में पूर्व राज्यमंत्री श्रीमती ललिता यादव, मलखान सिंह, नपाध्यक्ष श्रीमती ज्योति चौरसिया, नपा उपाध्यक्ष विकेंद्र बाजपेई, सहकारी बैंक अध्यक्ष करूणेंद्र प्रताप सिंह, नंदिता पाठक, श्रीमती अर्चना सिंह, उमेश शुक्ला, पुष्पेंद्र प्रताप सिंह, नगर पालिका से सीएमओ ओमपाल सिंह भदौरिया, एवं आमजन और अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

अपने फायदे के लिए महापुरुषों को अपमानित करने से भी नहीं चूकते भाजपा नेताः कांग्रेस

सिवनी– भाजपा के नेता अपने स्वार्थ के लिए एक ओर तो महात्मा गांधी जी की पूॅजा करते है दूसरी और गांधी जी को अपमानित करने का भी काम करते है, भाजपा नेता सिर्फ राजनैतिक नफा-नुकसान के हिसाब से किसी भी महापुरूष का अपमान करने से बाज नही आते। विकास यात्रा के समापन्न के अवसर पर कबीर वार्ड डूण्डासिवनी के सीएम राइज विद्यालय में स्कूल के बच्चे से इस तरह की कविता सुनवाई गयी जिसमें गांधी जी के प्रति दुष्प्रचार झूठी बाते भरी हुई थी। सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन, भाजपा के नेता, अधिकारी, शिक्षक सभी महात्मा गांधी जी को अपमानित करने वाली कविता पर बच्चें को शाबासी दे रहें थे, बार बार तालियॉ बजा रहें थे। सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन ने तो बच्चे को पुरस्कृत भी किया। देश के आजादी में अपने बलिदान देने वाले महापुरूषों के बारे में स्कूल के बच्चों को इस तरह गलत इतिहास बताकर भाजपा के नेता और उसी विचारधारा के शिक्षक लोगो को क्या संदेश देना चाहते है यह समझ से परे है। मोदी जी और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं द्वारा गांधी जी की जयंती और पुण्यतिथि पर ससम्मान श्रद्धांजलि दी जाती है। वही सिवनी के विधायक और भाजपा नेता गांधी जी को अपमानित करने वाली कविता पर बडे ही उत्साहित नजर आये। बीजेपी नेताओं का यह दोहरा चरित्र देश के लिए घातक है।

विडियों वायरल होने के बाद जिला कांग्रेस कमेटी सिवनी द्वारा जिला कलेक्टर से ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि पूज्य बापू महात्मा गांधी जी को अपमानित करने वाली कविता बच्चो से सुनाने वाले शिक्षक को तत्काल निलंबित किया जाए। इस तरह की घटना शासकीय विद्यालयों में दोबारा न हो, सभी विद्यालयों को आदेश जारी करने का कष्ट करें। इस अवसर पर एड. पंकज शर्मा, ब्रजेशसिंह(लल्लू) बघेल, जेपीएस तिवारी, राजा बघेल, विजय नाहटा, अशोक चौबे, मोहनसिंह चंदेल, इमरान पटेल, नरेश मरावी, देवीसिंह चौहान, ठाकुर खुमानसिंह, श्रीमती ललिता बघेल, श्रीमती विमला ठाकुर, श्रीमती सुयोगिता सक्सेना, गेंदलाल भलावी, राजिक अकील, योगेन्द्र सोनी, भुवनेश्वर शुक्ला, आनंद पंजवानी, विजय उइके, डालचंद बर्वे, निर्मल निखारे, अनीस खान, राजेश मानाठाकुर, पंकज बाउसकर, सुमित मिश्रा, देवधर सक्सेना, देवीसिंह चन्द्रवंशी, जितेन्द्र सनोडिया, तेजसिंह रघुवंशी, दुपेन्द्र लकी अमुले, दीवान आजम अली, अजय मानाठाकुर, एम नईम खान, शिव सनोडिया, विपिन यादव, नितिन कुमार डहेरिया, डां. एस बाबूराव, सुशील सोनकेशरिया, ऋषभ ठाकुर, अशोक सिरसाम, एड. शाहिद रज़ा, सुदेश चौरसिया, रामकिशोर बघेल, सरदारसिंह बघेल, अंशुल अवस्थी, जगदीश उइके, शाहिद रानू, एड. मिर्जा फैसल बेग, तबरेज अली, नन्दू यादव, मोहनीश खान, मंसूर लल्लू, लाईक पटेल, नमन चौरसिया, अतीक आलम, कफिल खान, नब्बू भाई, जावेद खान, राकेश अग्रवाल, विनोद नाग, सुजीत गोदरे, नितिन बघेले, ऋषी गोसाई, रहीम शाह, सलाम कुरैशी, मनीष अग्रवाल, हुकुमचंद सनोडिया, निरंजनसिंह वर्मा ढाना, बबुआ वर्मा, अनिल सरयाम, जाकीर अली, मोहसिन खान, कमलेश नागवंशी, संदीप बघेल, मोनू बघेल, रोहनसिंह बघेल, अजीत सिंह बघेल, शिवरतन श्रीवास, अमित वर्मा, शिवकुमार वर्मा, निक्की सनोडिया, जितेन्द्र दुबे, भुवनेश्वर दुबे, सचिन वर्मा, गजेन्द्र सनोडिया, रीतिक दुबे, उमाशंकर बघेल, अजय पेशवानी, विशाल वर्मा, विक्रम वर्मा, मुकेश भारद्वाज, करन वर्मा, संतोष कुमार वर्मा सहित बडी संख्या में कांग्रेस जनों की उपस्थिती रही।

बुरहानपुर कालेज की लापरवाही उजागर, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने दिया नोटिस

परीक्षा केंद्र के बजाय तीन विद्यार्थियों ने अपने ही कालेज में दिया पेपर

खण्डवा। स्नातक प्रथम वर्ष की पूरक परीक्षा के दौरान गड़बड़ी सामने आई। कुछ विद्यार्थियों ने आवंटित केंद्र पर परीक्षा देने के बजाय अपने ही कालेज में पेपर हल किया। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने कालेज को नोटिस दिया है। विद्यार्थियों से भी शपथ पत्र भरवाया जा रहा है।

मामला बुरहानपुर के सेवा सदन कालेज से जुड़ा है। बीते दिनों राष्टीय शिक्षा नीति (एईपी) के अंतर्गत स्नातक प्रथम वर्ष की पूरक परीक्षा 19 जनवरी से शुरू हुई। 31 जनवरी को बीकाम का पेपर था। सेवा सदन कालेज के तीन विद्यार्थियों का केंद्र विश्वविद्यालय ने सरकारी कालेज रखा था, लेकिन उन्होंने परीक्षा अपने ही कालेज में दी। विद्यार्थियों की उत्तरपुस्तिका विश्वविद्यालय पहुंची। तब मामले का राजफाश हुआ, क्योंकि सेवा सदन कालेज को अन्य पाठ्यक्रम का केंद्र बनाया गया था।

विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने कालेज से पूछा तो उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने केंद्र पर नहीं जा सके। उनके भविष्य को देखते हुए परीक्षा कालेज में करवाई गई। जवाब में अधिकारी बोले कि परीक्षा के लिए केंद्र विद्यार्थी व कालेज अपने स्तर पर नहीं बदल सकते हैं। परीक्षा व गोपनीय विभाग की उपकुलसचिव रचना ठाकुर का कहना है कि कालेज को नोटिस देकर जवाब मांगा है। आगे से कालेज में किसी भी पाठ्यक्रम की परीक्षा नहीं करवाई जाएगी। जुर्माना भी लगाया जाएगा। निर्धारित केंद्र पर परीक्षा नहीं देने वाले विद्यार्थियों की भी विश्वविद्यालय ने गलती मानी है और इसे नकल की श्रेणी में लिया है। विद्यार्थियों से अब शपथ पत्र भरवाया जा रहा है, जो इनकी उत्तरपुस्तिकाओं में संलग्न किया जाएगा। बाद में विश्वविद्यालय इन तीनों विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिका परीक्षा समिति के समक्ष रखेगा। तब तक इनके रिजल्ट जारी नहीं किए जाएंगे। हालांकि समिति की राय आने के बाद विश्वविद्यालय फैसला लेगा।

हत्या का आरोपी 24 घंटे में गिरफ्तार छोटे भाई ने बड़े भाई की थी हत्या, बरेली पुलिस के सूचना तंत्र मजबूत

बरेली । पुलिस थाना बरेली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम कामतौन में 5 फरवरी को मामूली विवाद इतना बढ़ गया कि भाई ने भाई की हत्या कर दी हम आपको बता दें ग्राम कामतौन में 5 फरवरी को एक साहू परिवार में दो भाइयों में आपसी झड़प उस समय हुई जब बड़ा भाई नर्मदा जो कि इलेक्ट्रीशियन का कार्य करता था रोजमर्रा के काम से जब घर पहुंचता था तो शराब पीकर घर में अपनी मां के साथ विवाद करता था आए दिन उसके कृत्य को देखते हुए छोटा भाई पहलाद पिता हरप्रसाद सिंह उम्र 35 वर्ष नर्मदा को शराब पीने और परिवार के साथ मारपीट करने से रोकता था परंतु 5 फरवरी को नर्मदा ने अपनी मां के साथ विवाद किया तो पहला अपने भाई को समझाने का प्रयास किया लेकिन नहीं माना तो बात इतनी आगे बढ़ गई कि विवाद मैं लाठी-डंडे चले गए और और नर्मदा की डंडों से पहलाद ने मार मार कर हत्या कर दी 7 प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए एसपी विकास साहबाल के निर्देश में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमृत मीणा के मार्गदर्शन में एसडीओपी राजीव जंगले एवं थाना प्रभारी आशीष सप्रे के द्वारा पुलिस टीम गठित कर आरोपी की तलाश प्रारंभ की गई प्रकरण के आरोपी को बरेली पुलिस टीम ने धरपकड़ कर 24 घंटे मे सफलता हासिल कर गिरफ्तारी कर लिया

इनकी रही भूमिका

थाना प्रभारी आशीष सप्रे, उपनिरीक्षक एसडी भालेकर,उप निरीक्षक अरुणा साना,उपनिरीक्षक सुनंदा खरे, उपनिरीक्षक शेर सिंह सुल्या, उपनिरीक्षक सुभाष सिंह, सहायक उप निरीक्षक रमेश रैकवार, सहायक उपनिरीक्षक कल्लू सिंह धुर्वे,प्रधान आरक्षक श्याम सिंह,राजेश राजपूत,महेंद्र विक्रम, मुकेश पटेल की सराहनीय भूमिका रही ।

पत्रकार को सार्वजनिक तौर पर गाली गलौच व अभद्रता करने पर भाजपा मंडल अध्यक्ष पर दर्ज हुई एफआईआर

नरसिंहपुर। सत्ता के मद में मदमस्त नेताओं द्वारा आपा खोने के मामले अक्सर सामने आते रहते है। ताजा मामला बीजेपी मंडल अध्यक्ष करेली द्वारा गाली गलौच का सामने आया है। मामले एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। जिसमें मण्डल अध्यक्ष रजत चौहान द्वारा पत्रकारों को सार्वजनिक तौर पर व नाम लेकर माँ-बहन की भद्दी भद्दी गाली देते हुए वीडियो वायरल होने के बाद नेताजी की खूब किरकिरी हो रही है।

मामला के अनुसार बीजेपी मंडल अध्यक्ष की दबंगई का वीडियो सामने आया है। वायरल वीडियो जिले के करेली मंडल शहर का है। करेली नगर में अतिक्रमण हटाने की मुहिम के दौरान बीजेपी मंडल अध्यक्ष द्वारा समाजसेवी व वरिष्ठ पत्रकार भागीरथ तिवारी व अन्य लोगों के साथ गाली गलौज की गई है। भागीरथ तिवारी का कहना है कि करेली बीजेपी मंडल अध्यक्ष रजत चौहान व उनके पिता के द्वारा कई जगह पर अतिक्रमण कर लिया गया है। जिसकी शिकायत उन्होंने व उनके साथियों के द्वारा विगत कई दिनों पूर्व तहसीलदार करेली, एसडीएम सहित मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर भी की गई थी। जिस सम्बन्ध में नगरपालिका करेली द्वारा पूर्व में अतिक्रमणकारी सहित आवेदक व शिकायत कर्ता को मौके पर उपस्थित होने सम्बन्धी नोटिस भेजा गया था। जिस पर नगरपालिका परिषद करेली की टीम भी मौके पर पहुंची थी।

इसी बात को लेकर आज करेली नगर पालिका की टीम रजत चौहान द्वारा उसके गणेश वार्ड स्थित एक मकान के साथ ही श्रीमती अंजू शर्मा के प्लाट पर डॉ टीएस चौहान द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाने अतिक्रमण स्थल पर कार्रवाई के लिए पहुंची थी। अतिक्रमण हटाने को लेकर रजत चौहान द्वारा सार्वजनिक तौर पर गाली गलौज करते हुए उपद्रव किया। जिससे मौके पर उपस्थित लोगों द्वारा बीच बचाव किया गया।

पालिका की टीम को देखकर बीजेपी मंडल अध्यक्ष रजत चौहान ने भागीरथ तिवारी व अन्य के साथ दबंगई दिखाते हुए गाली गलौच कर दी। इस मामले का वीडियो वायरल हो रहा है। मामले को लेकर पीड़ित पत्रकार द्वारा करेली थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। जिस पर धारा 294, 506 का मामला रजत चौहान पर दर्ज किया गया है। पत्रकार परिषद के सभी पत्रकारों द्वारा करेली थाना प्रभारी अखिलेश शर्मा के साथ बातचीत कर पत्रकारों के साथ अभद्रता करने वालों के साथ सख्ती वर्तने की बात रखी गई। देखने मे आता है कि सत्ता पक्ष के पार्टी पदाधिकारियों या जनता से चुने गए जनप्रतिनिधियों के द्वारा या इनके संपर्क में रहने वाले बाहुबली या धनपति अपने रसूख़ या प्रभाव में मदमस्त होकर जहाँ तहाँ खाली जमीनों को ओने-पौने दामों में खरीद कर आसपास की निजी या शासकीय वेश कीमती जमीनो पर बेजा कब्जा कर अपने निजी उपयोग या व्यवसायिक उपयोग करते रहते हैं। जिससे आम नागरिकों या स्वयं शासन प्रशासन को भारी नुकसान व परेशानी होती है। लेकिन जब पत्रकारों के द्वारा ऐसे भूमाफियाओं के विरुद्ध समाचार बनाये जाते हैं और जनता, शासन, प्रशासन के समक्ष इन भूमाफियाओं की करतूतों को उजागर करते हैं तो ऐसे पत्रकार इन भूमाफियाओं के सीधे टारगेट में आ जाते हैं।जिससे कई बार रजत चौहान जैसे दबंगों से सीधा सामना हो जाता है। और अपनी जान-माल व सम्मान पर बन आती है। पत्रकारों द्वारा ऐसे दबंग भूमाफियाओं पर कड़ी कार्यवाही करने व इनसे अपनी सुरक्षा की मांग सम्बन्धी ज्ञापन पुनः पुलिस प्रशासन व शासन को भी शीघ्र दिया जावेगा। जबकि हाल ही में प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा पत्रकारों से अभद्र व्यवहार करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने की बात की थी। लेकिन उनकी ही पार्टी के पदाधिकारी और नगर के मंडल अध्यक्ष जैसे प्रतिष्ठित पद पर पद आसीन एक व्यक्ति द्वारा खुलेआम सार्वजनिक तौर पर पत्रकार को पत्रकारों को गाली गलौज एवं मारपीट करने के लिए आमदा हो जाता है। मुख्यमंत्री जी ऐसे संस्कारहीन नेता पर करवाई कर उसको पद से हटाकर निष्पक्ष रूप से कड़ी कार्यवाही के आदेश देकर जन सामान्य में सभी के लिए न्याय का संदेश देने की कृपा करें।

समर्थन मूल्य पर उपार्जन खरीदने हेतु 101 पंजीयन केन्द्र स्थापित

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देशन में रबी विपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर गेहूं, चना, मसूर और सरसो के उपार्जन की खरीदी के पंजीयन एवं पर्यवेक्षण कार्य हेतु छतरपुर जिले में 101 केन्द्र स्थापित करते हुये नोडल अधिकारियों की नियुक्ति के आदेश जारी किये है।

अपर कलेक्टर द्वारा जारी आदेशानुसार तहसील छतरपुर में ग्राम ढड़ारी, बगौता, अतरार (कदारी), बरकौहा, मातगुवां, गठेवरा, निवारी, गौरगांय, मोरवा, बीकेडी गोदाम न. 07, रामपुर ढिलापुर, लहेरापुरवा, रामपुर कुर्रा, सलैया ईशानगर, रनगुवां और मंडी परिसर छतरपुर में खरीदी केन्द्र बने।

तहसील नौगांव के लुगासी, गर्रोली, मउसानिया, नौगांव, बड़ागांव, अलीपुरा, हरपालपुर कुकरेल और रानीपुरा तथा तहसील महाराजपुर के सेवा सहकारी समिति महाराजपुर, मनकारी, गढ़ीमलहरा एवं कुर्राहा, तहसील राजनगर के ग्राम पिपट, अकौना, ललपुर, मनिया, विक्रमपुर, राजनगर, खजवा, लखैरी, पीरा, चन्द्रनगर, शिवराजपुर, बसारी, कर्री, पथरगुवां, बरद्वाहा झमटुली, गंज और राजनगर में केन्द्र बनाये है।

तहसील चंदला के ग्राम बछौन, चंदला, माधवपुर, कटहरा, मुडेरी और रगौली लौंडी, तहसील लवकुशनगर के ग्राम सिजई, पठा चितहरी, बम्हौरीपुरवा और ज्यौराहा, तहसील गौरिहार के ग्राम नाहरपुर, सरबई, पचवरा, कौथेहा, चंदवारा, अभउ, बारीगढ़, खैरा कसार और खड्डी, तहसील बिजावर के ग्राम पिपट पनागर, बिजावर, अनगौर, नयाताल, मउखेड़ा, शाहगढ़, किशनगढ़, जैतपुर और लखनगुवां, तहसील बड़ामलहरा के ग्राम मैलवार, डिकौली, मुंगवारी, सैंधपा, बंधा, रजपुरा, बड़ामलहरा और कर्री बमनी, तहसील घुवारा की सहकारी समिति घुवारा, कुटौरा, सेवार, पनया, रामटौरिया, हलावनी, बमनौरा, भेल्दा, पनवारी, सरकना एवं भगवा और तहसील बक्स्वाहा के ग्राम दरगुवां, मड़देवरा, सुनवाहा, गढ़ीसेमरा, बक्स्वाहा, सैडारा में किसान पंजीयन करवा सकेंगे।

वलारी विधायक राकेश पाल सिंह विकास यात्रा कार्यक्रम में हुए शामिल

सिवनी। को केवलारी विधानसभा क्षेत्र के विधायक केवलारी विधायक विकास यात्रा कार्यक्रम मे शामिल हुए। मध्य प्रदेश की यशस्वी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सरकार के निर्देश अनुसार जनहित के संकल्प और हितग्राहियों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए केवलारी विधानसभा क्षेत्र में विगत दिन दिनांक 05 फरवरी से प्रारंभ विकास यात्रा आज दूसरे दिन 6 फरवरी में विधायक विधायक राकेश पाल सिंह ने मध्यप्रदेश शासन लोकनिर्माण विभाग खरसारु से डोभ सड़क मार्ग के नवनिर्माण हेतु भूमि पूजन किया। केवलारी विधायक राकेश पाल सिंह ने बच्चों को जाति प्रमाण पत्रों,बच्चियों को लाड़ली लक्ष्मी योजना के प्रमाण पत्र,पीएम किसान सम्मान योजना के प्रमाण पत्र, मुख्यमंत्री किसान सम्मान योजना के प्रमाण पत्रों का वितरण किया। श्री पाल सिंह ने परकुलेशन टैंक निर्माण कार्य हेतु भूमि पूजन किया।कामधेनू गौशाला निर्माण कार्य ग्राम घरघोदी में लोकार्पण करने पहुँचे विधायक। विकास यात्रा में ग्राम पंचायत बन्देली में विधायक निधि से निर्मित सभा मंचो का लोकार्पण कर ग्रामीण जनता को समर्पित किया।ग्राम पंचायत अहरवाड़ा में मनरेगा से बाउंडरी वाल निर्माण का लोकार्पण एवं सी सी रोड़ निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया।साथ समस्त ग्रामो में पात्र हितग्राहियों को प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया।

श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

रतलाम । धार्मिक नगरी रतलाम नगर में परम पूज्य पुराण मनीषी आचार्य श्री कौशिक जी महाराज (वृन्दावन) के मुखारविंद से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 7 से 14 फरवरी तक बरबड़ रोड़ स्थित विधायक सभागृह मे होगा 7 आयोजन की जानकारी देते हुए खुशी एक पहल वेलफेयर सोसाइटी एवं विश्व जागरण मानव सेवा संघ चैरिटी ट्रस्ट शाखा रतलाम के पदाधिकारी एवं कार्यक्रम की केंद्रीय समिति के सदस्यों ने बताया कि कौशिक जी महाराज श्रीमद् भागवत कथा के लिए कोई शुल्क नहीं लेते बल्कि वह 100000 गायों की गौशाला के निर्माण के लिए एवं एक मानव सेवा और गौ सेवा को समर्पित कामधेनु कैंसर हॉस्पिटल के निर्माण के लिए उस राशि का सदुपयोग करते हैं, अभी कौशिक महाराज जी की गौशाला 21 एकड़ में पूर्णतः निर्मित है जहां हजारों की संख्या में गौ माता स्वस्थ रुप से रहती है ।100000 गायों की गौशाला के संकल्प के लिए महाराज जी ने अन्य त्याग रखा है, वे केवल फलाहार एवं गौ दुग्ध पर जीवन व्यतीत करते है।

उपरोक्त कार्यक्रम का उद्देश्य पूरी तरह से गौ सेवार्थ एवं मानव सेवा से एवं विश्व कल्याण जन-जन के कल्याण हेतु इस कथा का आयोजन खुशी एक पहल वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा सभी धार्मिक सामाजिक आध्यात्मिक संगठन एवं समाजसेवी जनों के सहयोग से किया जा रहा है। केंद्रीय समिति के पदाधिकारियों के द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि महाराज जी की कथा 7 से 14 फरवरी तक चलेगी 7जिसका समय दोपहर12 से 4 बजे तक रहेगा। संस्था एवं केंद्रीय समिति ने नगर की धर्म प्रेमी जनता से अनुरोध किया

है कि अधिक से अधिक संख्या में पधार कर अपने जीवन को धन्य बनाने के लिए पुण्य अर्जन करने के लिए कथा श्रवण करने अवश्य पधारें ।

विधायक सभागृह में आयोजित प्रेस वार्ता में भागवत कथा के आयोजन के उद्देश्य की भूमिका विकास शेवाल के द्वारा रखी गई एवं अध्यक्ष हरीश जोशी, सचिव अमन माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण शर्मा, निखिलेश सोनी, भूपेंद्र सिंह एवं केंद्रीय समिति के राकेश मिश्रा , दिनेश वाघेला केंद्रीय समिति के सदस्य एवं प. संजय दवे, विशाल वर्मा और खुशी वेलफेयर संस्था के एवं समाज के समाजसेवी संगठन, धार्मिक संगठन आध्यात्मिक संगठन के प्रबुद्ध जन उपस्थित थे ।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए केंद्रीय समिति में मनोहर पोरवाल, मोहन मुरली वाला, गोविंद काकानी ,राजेश तिवारी, कपिल व्यास ,नीलेश पटेल, राकेश मिश्रा, राजेंद्र सिंह गोयल, हरीश जोशी, दिनेश वाघेला एवं विवेक चौधरी है7

आपदा मित्र योजना आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

पहले दिन 150 प्रशिक्षणार्थियों ने कराया पंजीयन

छतरपुर। आज सोमवार को शहर के जटाशंकर पैलेस में राष्टीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण भारत सरकार एवं राज्य स्तरीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण भोपाल के मार्गदर्शन में जिला छतरपुर होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ के द्वारा आपदा मित्र प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। यह आपदा मित्र प्रशिक्षण शिविर 17 फरवरी तक संचालित किया जाएगा। इस आपदा मित्र योजना प्रशिक्षण में आज जिले के 150 छात्र.छात्राओं ने अपना पंजीयन कराया।

होमगार्ड कमांडेंट करण सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आपदा मित्र योजना के तहत आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण निरू शुल्क किया जा रहा है और आज जिले की करीब डेढ़ सौ छात्र.छात्राओं ने पंजीयन कराया है। यह आपदा प्रशिक्षण 12 दिवस तक चलाया जा रहा है। होमगार्ड कमांडेंट करण सिंह ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि इस आपदा मित्र योजना आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण का शुभारंभ मंगलवार को जिले के कलेक्टर संदीप जीआर जी द्वारा किया जाएगा। जटाशंकर पैलेस में चल रहे आपदा मित्र योजना आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण में पहले दिन आए डेढ़ सौ छात्र.छात्राओं होमगार्ड कमांडेंट करण सिंह ने आपदा से बचाव हेतु उन्हें जानकारी दी तो वही आपदा प्रबंधन से निपटने के लिए आपदा प्रबंधक समन्वयक ऋषि गढ़वाल ने भी जिले से आए प्रशिक्षणार्थियों को सुझाव दिए। जिले में किसी भी प्रकार की आपदा आने पर इन आपदा मित्रों की मदद ली जावेगी। उक्त आपदा मित्र प्रशिक्षण पूर्ण रूप से स्वयंसेवी है। इस अवसर पर अमित दुबे पीण्सीए संजय गौर पीण्सीए ऋषि गढ़वाल आपदा प्रबंधक समन्वयकए दिनेश शर्मा सहायक उपनिरीक्षकए एसडीईआरएफ पुरुषोत्तम तिवारीए अजय साहूए परमलालए अखिलेश अहिरवारए विनोद बुनकरए लखन सिंह होमगार्डए रमेश पाल उपस्थित रहे।

आईआईटी मंडी के शोधकर्ताओं द्वारा विकसित टेक्नोलॉजी से दुश्मनों के रडार की नजर से बच पाएंगे हमारे सैन्य उपकरण

मंडी, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी के शोधकर्ताओं ने ऐसा आर्टिफिशियल स्ट्रक्चर/मटीरियल तैयार कर लिया है जो हमारे खुफिया सैन्य वाहनों और खुफिया ठिकानों को दुश्मनों के रडार की नजरों से बचा

सकता है। यह मटीरियल राडार फ्रीक्वेंसी (सिग्नल) की बड़ी रेंज़ को एब्ज़ार्वकरने में सक्षम हैचाहे रडार के सिग्नल जिस दिशा से उनके टार्गेट को निशाना बनाएं। इसका उपयोग खुफिया सैन्य वाहनों और खुफिया सैन्य ठिकानों की खिड़कियों या कांच के पैनलों को सुरक्षा कवच देने के लिए भी किया जा सकता है जिनका रडार की नजर से बचना ज़रूरी है। इस शोध कार्य के निष्कर्ष आईईईई लेटर्स ऑन इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कम्पैटिबिलिटी प्रैक्टिस एंड एप्लीकेशन नामक जर्नल में प्रकाशित किए गए हैं औरइसका लेखन डॉ. श्रीकांत रेड्डी, सहायक प्रोफेसर, स्कूल ऑफ कंप्यूटिंग एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी मंडी और उनकी टीम के डॉ. अवनीश कुमार (प्रथम लेखक) और श्री ज्योति भूषण पाधी ने मिल कर किया। रडार का उपयोग सैन्य और सार्वजनिक क्षेत्रों में भी निगरानी और नेविगेशन के लिए किया जाता है।

अमेजन.काम के वैलेंटाइन डे स्टोर संग मनाएं प्यार के सीजन का उत्सव

नई दिल्ली। अमेजन.काम अपने वैलेंटाइन डे स्टोर के साथ अपने प्यार का इजहार करने का शानदार मौका लेकर आया है। कस्टमर ए.इन पर 14 फरवरी तक चॉकलेट, ताजे महकते फूल, गिफ्ट सेट, इलेक्ट्रॉनिक्स, होम डेकोर, किचन अप्लायंसेज, फैशन और ब्यूटी एसेंशियल्स, बड़े अप्लायंसेज, एक्सेसरीज, स्मार्टफोन, अमेजन डिवाइसेज की विभिन्न कैटेगरी में विशेष रूप से तैयार किए गए प्रोडक्ट की विशाल सलेक्शन पर शानदार ऑफर और डील्स का लाभ उठा सकते हैं। अपने खास लोगों के साथ प्यार का जश्न मनाने लिए खरीदारी की सभी जरूरतों को अमेज़न वैलेंटाइन डे स्टोर पर पूरा करें, जो आपके लिए उपहार देने की जरूरतों को पूरा करने के लिए वन-स्टॉप डेस्टिनेशन है। कस्टमर कैडबरी, वैन ह्युसेन, गिवा, ज़ेया बाय कुंदन, द होल ट्रुथ, बॉम्बे शेविंग कंपनी, ओले, हर्बल एसेंस, ओपन सीक्रेट्स, जनस्य, प्यूमा, गो कलर्स, क्लोविया, ग्लोबल देसी, हर्षीस, फ़रेरो रॉशर, सहित अन्य ब्रांडों की खरीदारी यहां से कर सकते हैं।

आईआईटी जोधपुर द्वारा आयोजित तीसरा उद्योग दिवस 2023 उद्योग और शिक्षा जगत के अनुसंधान कार्यक्रमों को परस्पर जोड़ने का अभूतपूर्व प्रयास है

जोधपुर , एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने 3 और 4 फरवरी 2023 को उद्योग दिवस 2023 का आयोजन किया। इसका उद्देश्य उद्योग और शिक्षा जगत तथा उनके अनुसंधान कार्यक्रमों को आपस में जोड़ना है। यह आयोजन दो दिनों का था जिसमें नीति निर्माताओं, वैज्ञानिकों, उद्योग जगत के जानकारों और उद्यमियों को सार्थक विमर्श करने का अवसर मिला और उन्होंने उद्योग एवं शिक्षा जगत के संबंध को मजबूत बनाने का मार्गदर्शन दिया। संस्थान ने प्रायोजित और औद्योगिक अनुसंधान के अवसर बढ़ाने में सक्षम इकोसिस्टम बनाया है। इसका लाभ केवल शिक्षकों को ही नहीं बल्कि छात्रों को भी होगा। वे उद्योग जगत की समस्याओं के समाधान में अपने बहु-विषयी प्रोजेक्ट तथा शोध एवं विकास का योगदान देंगे। इस आयोजन के मुख्य थीम थे मेडटेक एवं हेल्थकेयर, सस्टेनेबिलिटी की टेक्नोलॉजी, सेंसर और आईओटी, रिसिलियंट और स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, डिपेंडेबल और रिस्पांसेबल एआई, रोबोटिक्स और मोबिलिटी, इंटेलिजेंट - और न्यूरो-मार्केटिंग, एआर-वीआर और मेटावर्स, हाइड्रोजन इकोनोमी और इंडस्ट्री 4.0 आदि।

सुरखी विधानसभा का हर खिलाड़ी प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर तक जाये: गोविंद सिंह राजपूत

● सोमवार को सुरखी विधानसभा क्षेत्र में मंत्री ट्रॉफी क्रिकेट महाकुंभ के चार मंडलों में हुये 15 मैंच जिसमें 30 टीमों ने लिया हिस्सा ● बिलहरा में हुये फाईनल मुकाबले में टीम शानू 11 क्रिकेट क्लब ने मारी बाजी ● मंत्री ट्राफी क्रिकेट महाकुंभ में अब तक 404 मैच खेले जा चुके हैं

भोपाल। सागर की सुरखी विधानसभा में सोमवार को बिलहरा में आयोजित फाईनल मैच में राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत पहुंचे जहां उन्होंने खिलाड़ियों को शुभकामनायें देते हुये कहा कि हमारे क्षेत्र के हर युवा के हुनर को निखारने के लिये हमारी ओर से प्रयास किये जा रहे है मेरी शुभकमानायें है कि सुरखी विधानसभा क्षेत्र का हर खिलाड़ी प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर तक खेलने जाये युवाओं के लिये सुरखी विधानसभा क्षेत्र में जिम और स्टेडियम खोले गये हैं ताकि वह स्वस्थ्य रहें और हर क्षेत्र में अच्छे से अच्छा प्रदर्शन कर सकें। सोमवार को बिलहरा में आकाश सिंह राजपूत ने मंत्री ट्रॉफी के शो मैच में अब तक का सबसे तेज अर्द्ध शतक 16 गेंदो में 51 रन बनाते हुये अपनी टीम को शानदार जीत दिलाई। सोमवार को चार मंडलो में 30 टीमों ने हिस्सा लिया जिसमें चार मंडलो में 10-10 ओवर के 15 मैच खेले गये। सोमवार को सीहोरा में 3 मैच, जैसीनगर में 4 मैच, राहतगढ़ में 7 मैच, बिलहरा में फाईनल मैच खेला गया। गौरतलब है कि मंत्री ट्राफी क्रिकेट महाकुंभ में अब तक 404 मैच खेले जा चुके हैं। सीहोरा में प्री-क्वाटर, जैसीनगर में दूसरा राऊंड, राहतगढ़ में दूसरे राऊंड के मैच चल रहे है। सुरखी मंडल में आज मोकलपुर एवं मित्रता क्लब सुरखी का फाईनल मैच खेला जायेगा।

बिलहरा के फाईनल मैच में टीम शानू11 क्रिकेट क्लब बिलहरा तथा टीम किंग्स मड़खेरा सीसी के बीच मुकाबला हुआ जिसमें टीम शानू11 क्रिकेट क्लब बिलहरा ने टीम किंग्स मड़खेरा सीसी को हराया। प्लेयर ऑफ द मैच रामनिवास 3 विकेट लेकर रहे।

जैसीनगर के पहले मैच में टीम 11 क्रिकेट क्लब चांदोनी ने टीम जय महाकाल क्रिकेट क्लब जेरा को हराया प्लेयर ऑफ द मैच कुलदीप रहे। दूसरे मैच में टीम घूघर क्रिकेट क्लब ने टीम जमुनियाघोषी जयदेव बब्बा क्लब को हराया प्लेयर ऑफ द मैच अमन रहे। तीसरे मैच में टीम ओम सांई राम क्रिकेट क्लब ने टीम एकता क्रिकेट क्लब जैसीनगर को हराया प्लेयर ऑफ द मैच राघवेन्द्र पटैल रहे। चोथे मैच में टीम यंगस्टार बांसा ने टीम घोघरी ब्रदर्स क्रिकेट क्लब को हराया रमाकांत प्लेयेर ऑफ द मैच रहे।

राहतगढ़ के पहले मैच में टीम ए.जे. क्रिकेट क्लब ने टीम राहतगढ़11 क्रिकेट क्लब को हराया सुनील अग्रवाल प्लेयर ऑफ द मैच रहे। दूसरे मैच में टीम परसरीकला 01 क्रिकेट क्लब ने टीम गावरी क्रिकेट क्लब को हराया प्लेयर ऑफ द मैच शुभम ठाकुर रहे। तीसरे मैच में टीम परासरीकला2 क्रिकेट क्लब ने टीम लालबाग 72 क्रिकेट क्लब को हराया रंजीत लोधी प्लेयर ऑफ द मैच रहे। चोथे मैच में टीम एम.बी.एस.के. क्रिकेट क्लब ने टीम मॉर्निंग क्रिकेट क्लब को हराया अफजल प्लेयर ऑफ द मैच रहे। पांचवे मैच में टीम एल.सीसी क्रिकेट क्लब ने इस्लामपुरा क्रिकेट क्लब को हराया प्लेयर ऑफ द मैच अबुजर रहे। छटवे मैच में टीम ए.सी.सी क्रिकेट क्लब ने टीम बाहुबली11 क्रिकेट क्लब को हराया प्लेयर ऑफ द मैच जमाल रहे। सातवे मैच में मदर इंडिया क्रिकेट क्लब ने मनोरंजन क्रिकेट क्लब को हराया अबुबकर प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

सीहोरा मंडल के पहले मैच में टीम मसुरहाई क्रिकेट क्लब ने महुआखेड़ापैगबार को हराया प्लेयर ऑफ द मैच सत्यम रहे। दूसरे मैच में एलसीसी लुहर्रा क्रिकेट क्लब ने मसुरहाई क्रिकेट क्लब को हराया रवि प्लेयर आफ द मैंच रहे। तीसरे मैच में बजरंगी क्रिकेट क्लब पीपरा ने चैक बाजार11 सीसी सीहोरा क्रिकेट क्लब को हराया सूर्या 3 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

दर्शकों से भरे स्टेडियम में खिलाड़ियों का खूब उत्साह वर्धन हुआ। खिलाड़ियों के चोके छक्कों का स्वागत क्षेत्रवासियों ने तालियां बजाकर किया। इस अवसर पर मूरत सिंह राजपूत, आकाश सिंह राजपूत, जितेन्द्र खटीक, गोलू घोषी, कपिल ठाकुर, शिवराज ठाकुर, वीरेन्द्र घोषी, सन्नी पटैल, सत्येन्द्र ठाकुर, दुर्गा सिंह लोधी, लोकमन लोधी, संतोष कुमार पटैल, सुमित चढ़ार, अनिल पीपरा, देवेन्द्र रघुवंशी, कमलेश तिवारी, अजय यादव, मोनू मिश्रा, धर्मेन्द्र ठाकुर, महेश तिवारी, रानू राजपूत, निरंजन राजपूत, अशोक राजपूत, रमेश चढ़ार, महेन्द्र लोधी, उदय सिंह लोधी, प्रताप ठाकुर, सुरेन्द्र लोधी, भूपेन्द्र ठाकुर, प्रभात मिश्रा, महादेव दुबे, कल्याण राजपूत, लखन ठाकुर, पवन शर्मा, रोहित अहिरवार, सचिन ठाकुर, शिव दुबे, शुभम दुबे, अरविंद सिंह, सहित सैकड़ों क्षेत्रवासियों ने स्टेडियम पहुंचकर मंत्री ट्राफी के तहत चल रहे क्रिकेट महाकुंभ का आनंद लिया।

सोनालीका ने ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण के साथ नया शिखर हासिल किया

जनवरी'23 में कुल 9,741 ट्रैक्टर बिक्री दर्ज करते हुए 26 प्रतिशत की मजबूत घरेलू वृद्धि हासिल की और उद्योग में वृद्धि को पीछे किया

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत से नंबर 1 ट्रैक्टर निर्यात ब्रांड, सोनालीका ट्रैक्टर्स ने वित्त वर्ष23 में अपनी अद्भुत यात्रा को तेज़ी से आगे ले जाते हुए जनवरी 23 में कुल 9,741 ट्रैक्टर बिक्री हासिल करते हुए 26 प्रतिशत की मजबूत घरेलू वृद्धि दर्ज की और उद्योग में वृद्धि को पीछे किया 7 हाल ही में अपनी वेबसाइट पर ट्रैक्टर की कीमतों का खुलासा करने वाले अद्भुत कदम और ग्राहक केंद्रित परिवर्तनकारी सोच ने वर्ष 2023 की शानदार शुरुआत को दर्शाया है और जिसने आने वाले पूरे वर्ष के लिए एक दिशा तय कर दी है। इस बेजोड़ प्रदर्शन ने कंपनी को 1,28,190 वायटीडी ट्रैक्टर बिक्री हासिल करने के अथक प्रयासों को भी दर्शाया है।

सोनालीका ने वर्षों से अपने अद्वितीय दृष्टिकोण के साथ किसानों तक बेहतर तकनीक पहुंचाते हुए उनके विश्वास को जीतना जारी रखा है। कृषि समृद्धि को अधिकतम करने की अपनी प्रतिबद्धता को दिन-प्रतिदिन और भी मजबूत करते हुए सोनालीका किसानों की हर बदलती ज़रूरतों को पूरा करने और उनकी आय में बढ़ोतरी लाने के लिए हमेशा से तैयार रहा है। इस शानदार उपलब्धि पर अपने विचार साझा करते हुए, श्री रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड, ने कहा, किसानों को हमारे देश का 'अन्नदाता' माना जाता है और वे हम सभी के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं क्योंकि वे भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश हेतु अन्न के लिए प्रतिदिन निस्वार्थ और अथक रूप से परिश्रम करते हैं। सोनालीका ट्रैक्टर्स में हम उनकी कृषि समृद्धि और आय में बढ़ोतरी के लिए इनोवेशन करते हैं और यह दृष्टिकोण हमारे डीएनए में गहराई तक अंकित है। उन्होंने कहा, नवीनतम उत्पादों को लॉन्च करने के साथ-साथ, हम वेबसाइट पर ट्रैक्टर की कीमतों का खुलासा करने जैसी अनूठी पहल भी करते रहते हैं, जिसने कृषि समुदाय के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाया है, क्योंकि हम अपनी वेबसाइट के साथ-साथ डीलरशिप पर भी भारी संख्या में आवागमन देख रहे हैं। इस दृष्टिकोण ने किसानों के लिए एक बड़े मुद्दे का समाधान किया है क्यूंकि अब किसान ट्रैक्टर खरीदने की प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए हमारे मज़बूत उत्पाद पोर्टफोलियो में से अपना पसंदीदा ट्रैक्टर जल्द ही घर ले जा सकते हैं।

सरपंच उपसरपंच एवं पंच महासंघ मप्र ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

खंडवा। सोमवार को सुबह सरपंच उपसरपंच एवं पंच महासंघ मध्य प्रदेश के बैनर तले जिले के अधिकांश पंचायतों के सरपंच जिला कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर एवं सीईओ पंचायत से जाकर की मुलाकात जिसमें सरपंचों ने वर्तमान सरकार की विकास यात्रा का विरोध तो नहीं किया किंतु अधिकांश सरपंचों को मलाल है कि जीतने के पश्चात शासन द्वारा सरपंचों को ना ही सहयोग प्राप्त हो रहा है ना ही यह सरपंच पद ग्रहण करने के बाद भी आज दिनांक तक कोई भी छोटे से छोटा कार्य भी ग्रामीण क्षेत्रों में नहीं करवा पाए जिससे क्षुब्ध होकर सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे सरपंचों को जिला पंचायत सीईओ नंदा भलावे ने बैठाकर समझाने और अपडेट करने के बजाए यह कह कर रवाना कर दिया की ग्राम पंचायतों में निर्माण और विकास कार्यों में पंचायत को आगे आना होगा ना ही हम शासन के कार्य को रोक सकते हैं ना ही कोई नया कार्य जोड़ सकते हैं। माही सरपंच उप सरपंच एवं पंच महासंघ मध्यप्रदेश के जिला अध्यक्ष चंद्रप्रकाश तिरोले ग्राम सरई ने बताया कि आज सोमवार को मध्य प्रदेश स्तर पर प्रदेश के 23000 सरपंचों ने शासन से विकास कार्यों में आ रही परेशानियों के संबंध में हर जिले में जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। जिसमें बताया है की मनरेगा के निर्माण कार्यों में पारदर्शिता लाएं मोबाइल ऐप एन एम एम एस के माध्यम से दिन में दो बार श्रमिकों की जारी स्टांप एवं जियो टैग के माध्यम से

उपस्थिति सुनिश्चित की गई है जिसके फोटो दिन में दो बार अपलोड किए जाने हैं ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या तकनीकी जानकारी के अभाव के चलते अधिकांश पंचायतों के काम अटके पड़े हैं एन एम एम एस व्यवस्था को निरस्त किया जावे। वहीं मनरेगा निर्माण कार्य में श्रमिकों का मानदेय ?204 की अपेक्षा ?400 किया जाए एवं सो दिवस की मजदूरी को 200 दिवस सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह द्वारा 7 दिसंबर 2022 को जम्मू री मैदान में किए गए घोषणाओं को तत्काल अमल में लाया जाए। शासन 15 वर्ष पहले बने राशन कार्ड को करें निरस्त तहसीलदार के हस्ताक्षर की अपेक्षा राशन कार्ड बनाने का अधिकार दिया जाए पंचायतों को ताकि वास्तविक बीपीएल परिवारों को मिल सके शासन के योजना का लाभ और अपात्र हितग्राहियों को हटा सके पंचायत। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र को मिलते हैं 1.38 लाख रुपए जिससे ग्रामीण नहीं बना पाता अपना घर शहरी क्षेत्र के नागरिकों की तरह ग्रामीण जनता को भी दिए जाए ढाई लाख रुपए और आवास प्लस से छूट गए परिवार को जोड़ें शासन। मनरेगा योजना मैं खेत सड़क सुदूर इलाकों के सड़क निर्माण को शासन करें पुनः प्रारंभ जिसमें 40त्न मजदूरी 60त्न सामग्री के साथ मशीनरी को भी किया जाए सम्मिलित। 1 फरवरी 2023 को भारत सरकार द्वारा आधार बेस भुगतान का आदेश दिया गया जो कि मजदूरों के हित में नहीं है इसलिए पुराने खाता आधारित भुगतान किया जाए।ग्राम पंचायत के निर्माण कार्यों की झूठी शिकायतों का हेल्पलाइन 181 शिकायतों का निराकरण ग्राम सभा में किया जाए। मनरेगा अंतर्गत किए जा रहे स्वीकृत कार्यों के बिल भुगतान संबंधित समस्याओं का एमआईएस उपरांत 30 दिवस में किया जाए समाधान। मनरेगा योजना तहत कपिलधारा कूप की राशि 4 लाख एवं हर पंचायत में लगभग 40 से अधिक दिए जाए पशु शेड। ग्राम पंचायत विकास की राशि पंचायतों को दी जाए 100त्न वर्तमान में शासन पंचायत विकास के 70त्न राशियों का उपयोग कर रहा है अन्य मदों में जिसे रोके शासन। 15 वे वित्त आयोग की राशि ग्राम पंचायतों को नहीं हुई है उपलब्ध शासन पंचायत को जनसंख्या आधार पर उपलब्धध कराएं 15 वे वित्तीय आयोग की राशि जिसके व्यय का अधिकार जिया जाए ग्राम सभा को। पांचवें वित्तीय आयोग में निर्माण की राशि अतिरिक्त बजट एवं अनुपूरक बजट से निर्माण कार्यों के लिए उपलब्ध कराएं सरकार। सरपंचों को भी दिया जाए विधायक और सांसद की भांति पेंशन का लाभ एवं पूर्व सरपंचों के बकाया मानदेय का भुगतान करें सरकार। 60 वर्ष स अधिक आयु के समस्त एपीएल परिवार के बुजुर्गों को भी वृद्धावस्था पेंशन का दिया जाए लाभ, ग्रामीण क्षेत्रों में कई एपीएल परिवारों के बुजुर्गों की स्थिति बद से बदतर।

दुर्गावाहिनी ने स्कूली छात्राओं को सिखाये आत्मरक्षा के गुर

छिन्दवाड़ा । दुर्गा वाहिनी की बहनों के द्वारा मिशन ललकार का कार्यक्रम छिंदवाड़ा जिले में शासकीय हाई स्कूल सुक्लूढाना में किया गया। जिसमें प्रांत से आई प्रांत संयोजिका नेहा प्यासी जी ने बताया कि कैसे बहनें आत्मरक्षा कर सशक्त बन सकती हैं। उन्होंने सेल्फ डिफेंस के विषय में जानकारी दी गई और बताया कि जब बहनों के साथ कोई छेड़छाड़ करे तो उन्हें कैसे अपनी सुरक्षा करनी चाहिए। इस अवसर पर छिंदवाड़ा दुर्गावाहिनी विभाग संयोजिका देवी पूजा किशोरी, जिला संयोजिका सोनम अहरवार, जबलपुर से विभाग संयोजिका पूजा रजक, किरण सोनी, सुनीता आदि उपस्थित रही।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा जल जीवन मिशन: संजय पुन्हार

भाजपा बताये कब घर-घर पहुंचेगा पानी

छिन्दवाड़ा । जिले के ग्रामीण अंचलों में निवासरत परिवारों को भी शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने वाली जल जीवन मिशन योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी है। भाजपा के शासन काल में जारी इस भ्रष्टाचार की वजह से ग्रामीण जनता को शुद्ध पेयजल नहीं मिल रहा है वहीं दूसरी और कार्यों के लिये स्वीकृत राशि पर बंदरबांट मची हुई है। भाजपा के शासन काल में हर घर तक नल से जल पहुंचाने वाली योजना गर्त में समा गई है। भाजपा के एजेंटों ने ठेकेदार बनकर उक्त विभिन्न कार्यों की राशि डकार ली। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय पुन्हार ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा सम्पूर्ण जिले में जल जीवन मिशन के तहत कार्य किये जा रहे हैं सम्पूर्ण कार्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुके हैं। उन्होंने तामिया ब्लॉक की 14 ग्राम पंचायतों में जल जीवन मिशन के कार्यों का अवलोकन किया जिसमें पाया कि किसी भी ग्राम पंचायत में कार्य पूर्ण नहीं हुये हैं, जबकि भाजपा इसकी झूठी वाहवाही लूट रही है इसी तरह बिछुआ ब्लॉक के अंतर्गत सम्पूर्ण कार्य ठेकेदारों के अधूरे छोड़ दिये हैं, इसमें करोड़ों रुपयों का घोटाला हुआ है और भाजपा की सरकार ने इससे अपने चहेते ठेकेदारों को लाभ पहुंचाया है।

महाविद्यालय में जनभागीदारी समिति का परिचय

बिछुआ । शासकीय महाविद्यालय बिछुआ में जनभागीदारी समिति का परिचय कार्यक्रम संपन्न हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. पी. यादव की अध्यक्षता व जनभागीदारी समिति अध्यक्ष प्रमोद विश्वकर्मा एवं समिति के सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ। प्राचार्य डॉ. आर. पी. यादव ने अपने उद्बोधन में महाविद्यालय की विकास यात्रा पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला इसके पश्चात जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष व कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रमोद विश्वकर्मा ने जनभागीदारी की मदद से महाविद्यालय के विकास में अपना सहयोग प्रदान करने की बात कही। महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्र व जनभागीदारी समिति सदस्य प्रमोद श्रीवास ने महाविद्यालय के अनुभव साझा किए।

जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र घर घर पहुंचा रही शहर सरकार

छिंदवाड़ा । आम जनमानस के आधारभूत दस्तावेज में शामिल जन्म प्रमाण पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र होता है। इन प्रमाण पत्रों को प्राप्त करने के लिए नागरिकों को नगर पालिक निगम कार्यालय आकर आवेदन देना होता है एवं समय सीमा में आकर कार्यालय से प्राप्त करना होता है। किंतु निगम के चुनाव में कमलनाथ एवम छिंदवाड़ा के युवा सांसद नकुलनाथ की सोच थी की छिंदवाड़ा कि जनता को काम में परेशानी ना हो इसके चलते निगम खुद जनता के समक्ष पहुंचे। इसी सोच के साथ छिंदवाड़ा के युवा महापौर विक्रम अहके और उनकी टीम काम कर रही है उसी रास्ते में चलते हुए आमजन की सुविधा को देखते हुए महापौर ने फैसला लिया था कि जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र घर घर पहुंचाया जाए। नगर पालिक निगम महापौर विक्रम अहके ने नागरिकों को सुलभता से जन्म प्रमाण पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए एक अहम पहल करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि नागरिक द्वारा आवेदन प्राप्त होने के बाद निकाय द्वारा आवेदक को घर पहुंचाकर दस्तावेज प्रदान किए जाएं। महापौर की पहल पर नगर पालिक निगम के कर्मचारियों द्वारा घर घर जाकर आवेदन के उपरांत जन्म एवं मृत्यु प्रमाण का वितरण प्रारंभ कर दिया है। महापौर की इस पहल का सभी ने स्वागत किया एवं इसे बड़ा जन हितैषी कदम बताया।

भाजपा युवा मोर्चा को चुनाव की जिम्मेदारी

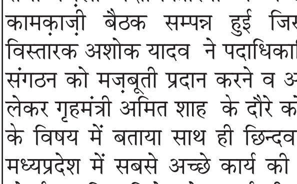

छिन्दवाड़ा । भारतीय जनता पार्टी कार्यालय छिन्दवाड़ा में युवामोर्चा के सभी ज़िला पदाधिकारियो व मण्डल अध्यक्ष की कामक़ाज़ी बैठक सम्पन्न हुई जिसमें लोक सभा विस्तारक अशोक यादव ने पदाधिकारियो को बैठक में संगठन को मज़बूती प्रदान करने व आगामी चुनाव को लेकर गृहमंत्री अमित शाह के दौरे को लेकर तैयारीओ के विषय में बताया साथ ही छिन्दवाड़ा युवामोर्चा के मध्यप्रदेश में सबसे अच्छे कार्य की प्रशंसा कर सभी मोर्चा पदाधिकारियो को बधाई दी बैठक में भाजपा ज़िला अध्यक्ष विवेक साहू ने कहाँ की छिन्दवाड़ा युवामोर्चा मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान पर है तो इससे संगठन की आपके प्रति और अपेक्षा है की आप और बेहतर कार्य करेंगे और आगमि चुनाव में आपकी प्रमुख भूमिका रहेगी व युवामोर्चा बूथ-बूथ में युवाओं की टीम बने इस विषय को लेकर चर्चा की युवामोर्चा ज़िला अध्यक्ष योगेन्द्र प्रताप राणा ने अब तक के युवामोर्चा के सभी कार्यों व कार्यक्रमों का ब्यौरा दिया साथ ही मण्डल अध्यक्षों के अब तक के कार्यों की समीक्षा की व उन्हें आगामी चुनाव की तैयारीओ के लिए कमर कसने को कहाँ। बैठक में लोक सभा विस्तारक अशोक यादव ,भाजपा ज़िला अध्यक्ष विवेक साहू, युवामोर्चा ज़िला अध्यक्ष योगेन्द्र प्रताप राणा, ज़िला महामंत्री गोपाल यदुवंशी,पंकज मूँगिया,अनुज चौधरी,विनय साहू,शिखर पाण्डे,कुबेर सूर्यवंशी,आशीष ठाकरे,सौरभ सक्सेना,पवन गोस्वामी,अभिषेक परतेती,रिंकु साहू,विजय ठाकरे,राहुल यादव,आनंद ठाकुर,शुभम सांवले,रोहित मिश्रा व मंडल अध्यक्ष,ज़िला पदाधिकारी उपस्थित रहे।

7 करोड़ की राशि 48 वार्डो के लिए नहीं की जा रही खर्च:धर्मेन्द्र मिगलानी

आरोप: कांग्रेस के नेताओं के घर तक सड़क बनाने का बना डी.पी.आर., भाजपा ने जताई आपत्ति

छिंदवाड़ा । नगर निगम निगम छिंदवाड़ा को भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने शहर के विकास के लिए कायाकल्प योजनान्तर्गत 7 करोड रुपए की राशि स्वीकृत कर शहर के आवागमन के मुख्य सड़कों को सुव्यवस्थित करने का योजना बनाई थी । महापौर से इस संबंध में सूची मांगी गई थी । महापौर और उनके एम.आई.सी . के सदस्यों ने शहर के आंतरिक सड़कों को छोड़कर कमलनाथ के निवास स्थान से लेकर कांग्रेस कार्यालय तक और कांग्रेस कार्यालय से लेकर कांग्रेस के नेताओं के घर तक सड़क बनाने के लिए डीपीआर बनाकर मध्यप्रदेश शासन को भेजा है । जिससे कांग्रेस की मंशा और उनकी मंजिल कहां तक है यह प्रमाणित हो जाता है । महापौर एवं उनकी परिषद द्वारा जो 7 करोड रुपए की राशि का डीपीआर बनाकर भेजा गया है वहां राष्ट्रीय राजमार्ग है । जिसकी रखरखाव की जिम्मेदारी राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की है । कॉन्ग्रेस के महापौर को शहर के आंतरिक सड़कों का विकास के लिए कोई दिलचस्पी नहीं है । उन्हें तो बस अपने तथाकथित नेता की चापलूसी करना है । इसलिए 7 करोड रुपए की राशि को शहर के विकास के लिए खर्च ना करते हुए कमलनाथ के आवागमन के रास्तों को चकाचक करने के लिए यह राशि खर्च करने का प्लान बनाया है । जो कि अत्यंत निंदनीय है महापौर को और उनके बहुमत वाले परिषद को छिंदवाड़ा की 48 वार्डो की जनता ने जिताया है । महापौर को चाहिए था कि शहर की आंतरिक सड़कों को सुधारने का और आम जनता को आवागमन के लिए सुविधा पूर्ण रास्तों को उपलब्ध कराने का दायित्व निभाना था , परंतु उन्होंने चापलूसी की सारी हदें पार करते हुए मध्यप्रदेश

नगरी विकास मंत्री से मिला पार्षद दल,

शासन की महत्वाकांक्षी काला कल्प योजना को अपने आका के चरणों में रख दिया है । भारतीय जनता पार्टी के भाजपा जिला उपाध्यक्ष योगेश सदारंग, पूर्व निगम अध्यक्ष धर्मेंद्र मिगलानी,पार्षद दिवाकर सदारंग , उदय सिंह पटेल , लोकेश डेहरिया , रंगु संजीव यादव , शोभना संतोष राय , किरण हरिओम सोनी कविता शिव मालवीय , अनु अभिलाष गोहर , पूर्णिमा अल्केश मालवीय , दीपा राजेश मोखलगाय, भागवती राजकुमार बघेल, संगीता सुरेश उइके ने इसकी कड़े शब्दों में निंदा करते हुए मध्य प्रदेश शासन के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान , नगरीय विकास मंत्री भूपेंद्र सिंह से मांग की है कि 7 करोड़ रुपए की राशि का सदुपयोग छिंदवाड़ा की 48 वार्डो की क्षतिग्रस्त सड़कों को सुधारने के लिए किया जाए जो जनहित में होगा ।

लीज रेंट कम करने मंत्री ने दिया आश्वासन

छिंदवाड़ा नगर निगम के गांधीगंज क्षेत्र में 99 एकड़ का लीज की भूमि है, जिसमें वर्ष 2016 में लीज रेंट आवासीय एवं कमर्शियल में अत्यधिक बढ़ा दिया गया था जिस पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छिंदवाड़ा नगर निगम चुनाव के समय घोषणा की थी कि अति शीघ्र लीज रेंट कम कर छिंदवाड़ा की जनता को राहत दिया जाएगा पूर्व निगम अध्यक्ष धर्मेन्द्र मिगलानी और पार्षदों ने नगरीय प्रशासन मंत्री से मांग की है कि लीज रेंट अत्यधिक बढ़ गया उसको कम कराने का कष्ट करें, मंत्री ने मास्टर प्लान स्वीकृत एवं लीज रेंट को अतिशीघ्र कम करने के लिये अस्वस्त किया गया

जनता का फोन नहीं उठाते महापौर

महापौर विक्रम आहके से इस सबंध में चर्चा करनी चाही तो माहपौर ने फोन नही उठाया महापौर यह आरोप लगाया जाता है कि वे आम जनता का भी फोन नही उठाते।

325 जोड़ों की हुई शादी, एक का हुआ निकाह

अमरवाड़ा। नगर के स्टेडियम ग्राउंड में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना अंतर्गत विवाह और निकाह संपन्न हुए जिसमें अमरवाड़ा विकासखंड के 325 वर वधु ने सात फेरे लेकर प्रणय संबंध में बंध गए वहीं एक निकाह मुस्लिम रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ अमरवाड़ा के बारात घर से बारात निकाली गई जिसमें शासन प्रशासन के द्वारा समुचित व्यवस्था की गई थी बारात मैं बैंड बाजा डीजे आतिशबाजी कर सभी दूल्हे अपने बारातियों के साथ चल रहे थे जहां बारातियों के द्वारा जमकर नृत्य भी किया बारातियों का जनप्रतिनिधियों के द्वारा जगह-जगह स्वागत कराया गया और जनप्रतिनिधियों ने भी जमकर नृत्य किया अमरवाड़ा नगर के मुख्य मार्गो से होती हुई बारात का काफिला कार्यक्रम स्थल स्टेडियम ग्राउंड पहुंचा जहां प्रशासनिक अधिकारियों ने द्वारचार की रस्म अदा की वही वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ सभी वर वधु का शुभ विवाह संपन्न हुआ वही एक निकाह भी संपन्न हुआ इस अवसर पर मध्य प्रदेश सरकार के द्वारा ?38000 का दहेज जिसमें पलंग टीवी बिस्तर सहित अन्य सामग्री वितरित की गई और ?11000 का चेक वितरित किया गया वही बाराती और घराती के भोजन की व्यवस्था जनपद पंचायत और नगर पालिका के द्वारा की गई थी जिसमें लगभग 10000 लोगों ने भोजन ग्रहण किया। सामूहिक कन्यादान योजना में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक कमलेश प्रताप शाह, जनपद पंचायत के अध्यक्ष नीलेश कंगाली नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति नितिन तिवारी जिला भाजपा महामंत्री टीकाराम चंद्रवंशी पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष देवेंद्र जैन भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेत्री कामनी शाह , विधायक प्रतिनिधि दीपक नेमा रामनारायण परतेती, नितिन तिवारी जनपद पंचायत सदस्य योगेश यादव नगरपालिका उपाध्यक्ष प्रकाश ठाकुर अमरवाड़ा एसडीएम मनोज प्रजापति तहसीलदार छवि पंत नायब तहसीलदार सौरव मरावी सीईओ मेहरा द्वारा सभी वर वधु को आशीर्वाद देकर उन्हें उपहार स्वरूप सामग्री वितरित की गई।

दो वाहनों की आपस में टक्कर दो युवकों की मौत

तेज रफ्तार बनी हादसे का कारण, एक युवक घायल

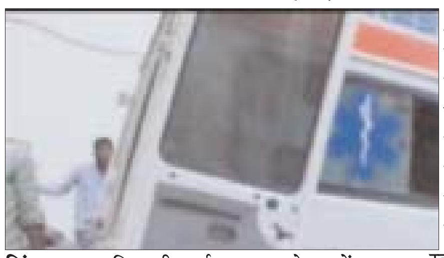

छिंदवाड़ा । शिवपुरी मार्ग पर ग्राम मोठार में सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई जबकि तीसरा युवक घायल हो गया हादसा तेज गति से चला रहे वाहन के कारण हुआ है। बाईक और स्कूटी की टक्कर में दोनो वाहन के चालक की मौके पर मौत होने की खबर है। जबकि तीसरा युवक घायल हो गया है जिसका अस्पताल में उपचार चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार छिंदवाड़ा से सिवनी मार्ग पर सोमवार की दोपहर करीब तीन बजे मोठार के पास दो दोपहिया वाहन आपस में टकरा गए वाहनों की रफ्तार इतनी तेज थी कि किसी को सम्हलने का मौका नहीं मिला और घातक चोट लगने से बलदेव सिंह और नंदू किशन विश्वकर्मा की मौके पर मौत हो गई नंदू के साथ पीछे स्कूटी पर बैठ रवि विश्वकर्मा घायल हो गया घटना की खबर लगते ही तत्काल ही 108 एम्बुलैंस मौके पर पहुंची और तीनों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लगाया गया जहां डॉक्टर आशुतोष सूर्यवंशी ने तीनों का चेकअप कर बलदेव सिंह और नंदू किशन विश्वकर्मा को मृत घोषित कर दिया वहीं घायल रवि विश्वकर्मा का इमरजेंसी वार्ड में इलाज चल रहा है। युवकों में तेज रफ्तार से वाहन चलाने की प्रवृत्ति बढ़ रही जिसका परिणाम है कि दो जिंदगियां पल भर में छीन ली गई बताया गया कि अपनी स्कूटी से छिंदवाड़ा शहर से नजदीक के सामोढाना का निवासी नंदू किशन लाल विश्वकर्मा और रवि देवी चंद विश्वकर्मा शिवपुरी से लौट रहे थे। छिंदवाड़ा से बलदेव पिता मरदान सिंह उम्र 40 वर्ष बाईक से शिवपुरी जा रहा था कि मार्ग में मोठार के पास दोनों के वाहनों की आमने सामने की भिड़ंत हो गई टक्कर इतनी तेज थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए ग्रामीणों ने तत्काल ही देहात थाना पुलिस और 108 एंबुलैंस को खबर की तब तीनों को जिला चिकित्सालय में लाया जा सकता पुलिस घटना की विवेचना कर रही

मां कर्मा जयंती एवं विशाल सामूहिक विवाह सम्मेलन को सफल बनाने सभी संगठन ने कसी कमर

कार्यक्रम आमंत्रण पत्र का हुआ विमोचन

छिंदवाड़ा । साहू समाज सम्मेलन के माध्यम से समाज की मुख्यधारा में शामिल करते हुए पुनर्विवाह एवं विधवा विवाह को मिली को मंजूरी भव्य आयोजन के कुशल संचालन हेतु अनेक समिति बनाकर प्रभारियों को सौंपी जिम्मेदारीया। जिला स्तरीय भव्य आयोजन को सफल बनाने मातृशक्ति एवं युवाओं ने भरी हुंकार, विवाह पंजीयन का कार्य शुरु, पंजीयन की अंतिम तिथि 12 मार्च हुई हैं तय, विवाह सम्मेलन में सम्मिलित प्रत्येक जोड़ों को गोदरेज अलमारी, ड्रेसिंग टेबल, सोफा सेट, पलंग, कूलर, बर्तन, सोने का मंगलसूत्र , चांदी की बिछिया, घड़ी , रामायण , भगवान आश्रम लड्डू गोपाल , नगद राशि आदि दिए जाएंगे उपहार स्वरुप भेंट। 17 एवं 18 मार्च के दो दिवसीय होंगे विविध कार्यक्रम, जिला एवं नगर युवा संगठन ने घोषित की कार्यकारिणी, संपूर्ण जिले भर के तैलिक बंधु होंगे कार्यक्रम में शामिल, आमंत्रण टीम का हुआ गठन, साहू समाज मंगल भवन सिवनी रोड छिंदवाड़ा में ही संपन्न होंगे दो दिवसीय कार्यक्रम।

लोक कल्याणकारी है आम बजट: विवेक बंटी साहू

छिंदवाड़ा । भाजपा के जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि यह बजट अमृतकाल का पहला आम बजट है। यह 2023-24 एक लोक-कल्याणकारी बजट है । यह गाँव, गरीबों, किसानों, आदिवासियों, दलितों, पिछड़ो, शोषितों, वंचितों, दिव्यांगजनों, आर्थिक रूप से पिछड़े तथा मध्यम वर्ग के लोगों को सशक्त और सक्षम बनाने वाला बजट है । यह ग्राम विकास, कृषि विकास, श्रमिक कल्याण, इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, पूर्वोत्तर एवं पहाड़ी क्षेत्रों सहित पूरे देश के समग्र विकास को समर्पित बजट है । पत्रकारवार्ता में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शेषराव यादव,जिला मीडिया प्रभारी संदीपसिंह चौहान, मण्डल अध्यक्ष रोहित पोफली उपस्थित थे। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार द्वारा देश के नागरिकों को सामाजिक न्याय, समानता, सम्मान और समान अवसर उपलब्ध कराने वाला बजट है । देश का 75वां आम बजट 'ईज ऑफ लिविंग' को बढ़ाने पर जोर देने वाला बजट है । दुनिया में सबसे तेज गति से देश को विकास की राह दिखाने वाला और भारत को सुपर इकोनोमी पावर बनाने वाला बजट है । नागरिकों के लिए बड़े अवसर उपलब्ध कराना, विकास और रोजगार सृजन को मजबूत प्रोत्साहन प्रदान करना और व्यापक आर्थिक स्थिरता को मजबूत करना है ।

7 लाख तक आय पर टैक्स नहीं देना होगा

अब नौकरी पेशा लोगों को 7 लाख रुपये सालाना की आय पर कोई टैक्स नहीं देना होगा । साथ ही, टैक्स स्लैब को भी घटाकर 5 तक सीमित कर दिया गया है । मोटे अनाज उगाने के मोर्चे पर भारत लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है । भारत श्री अन्न का सबसे बड़ा उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक देश है । भारत को श्री अन्न का ग्लोबल हब बनाने के लिए हम कटिबद्ध हैं । इस दिशा में हैदराबाद में इंडियन इंस्टीट्ट ऑफ माइलेट रिसर्च स्थापित करना एक बहुत बड़ा कदम है ।

सनातन संस्कृति की रक्षा में लगे पूज्य संतों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है विहिप:मनोज वर्मा

छिन्दवाड़ा । सनातन संस्कृति की रक्षा, मतांतरण एवं जेहादी ताकतों के विरुद्ध संघर्ष कर रहे पूज्य संतों के साथ विश्व हिंदू परिषद सदैव डटकर खड़ी हुई है। मतांतरित हुए सनातनी भाइयों की घर वापसी हो या हिन्दू बहिन-बेटियों की रक्षा का विषय विहिप जिहादी ताकतों से संघर्ष के लिए संकल्पित है। वर्तमान में जैसे ही पूज्य संत सनातनी बंधुओं की घर वापसी शुद्धिकरण के माध्यम से करवाते हैं या विधर्मियों की किसी भी योजना को विफल कर, मतांतरण रोकते हैं, तो तत्काल ही ईसाई और मुश्लिम जेहादी तत्व उन संतों के खिलाफ कूट रचना कर झूठे केस में फंसाने का कुत्सित कार्य करते हैं। ऐसे तत्वों के खिलाफ और संतों के साथ विश्व हिंदू परिषद सदैव खड़ी है। उक्त उद्गार तीन दिवसीय प्रान्त बैठक में छिन्दवाड़ा पहुंचे क्षेत्रीय संगठन मन्त्री मप्र-छत्तीसगढ़ मनोज वर्मा जी ने व्यक्त किए। शनिवार को स्थानीय पूजाशिवी लॉन में विश्व हिंदू परिषद महाकौशल प्रान्त की तीन दिवसीय प्रांतीय बैठक का शुभारंभ हुआ। जहां संगठन की रीति-नीति के अनुरूप उद्घटान सत्र में सर्वप्रथम प्रभु श्रीराम दरबार का विधि-विधान से पूजन किया गया। जिसके उपरान्त बैठक में छिन्दवाड़ा पहुंचे केंद्रीय, क्षेत्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों का परिचय उपरांत भगवा अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया गया। प्रांतीय बैठक के प्रथम दिन उद्घाटन सत्र समेत कुल 4 सत्र लगाए गए, जहां पूर्व की प्रांतीय बैठक में बनी योजनाओं की समीक्षा की गई। छिन्दवाड़ा में आयोजित प्रांतीय बैठक में महाकौशल प्रान्त के कुल 34 जिलों से 350 से अधिक पदाधिकारी शामिल हुए। इस अवसर पर प्रान्त अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह, कार्यध्यक्ष भास्कर चौबे, उपाध्यक्ष वाणी अहलूवालिया, प्रान्त मंत्री उमेश मिश्र, प्रान्त सह मंत्रीद्वय सागर गुप्ता, प्रदीप गुप्ता, प्रान्त संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह, प्रान्त प्रचार प्रसार प्रमुख अनुपम गुप्ता, प्रान्त संयोजिका मातृशक्ति मालती रैकवार, नेहा पयासी, समेत क्षेत्र, प्रान्त, विभाग एवं जिला

नई सरकार संविधान के अनुरूप चलेगी: गुरुचरण खरे

छिन्दवाड़ा । प्रदेश की नई सरकार संविधान के अनुरूप चलेगी और सभी वर्गों के साथ न्याय होगा साथ ही आमजन की समय पर सुनवाई भी होगी। नये साल पर नई सरकार, मुख्यमंत्री होंगे कमलनाथ फिर होगा प्रदेश व जिले का विकास। इसी संकल्प के साथ आज जिला कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के नवनियुक्त जिला व ग्रामीण अध्यक्षों का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ। राजीव कांग्रेस भवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में नवनियुक्त पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में एससी विभाग के पदाधिकारी व कार्यकर्तागण उपस्थित रहे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व जिले के सांसद नकुलनाथ के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग में नवनियुक्त पदाधिकारी नियुक्त किये गये हैं। पूर्वमंत्री दीपक सक्सेना, प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष गंगाप्रसाद तिवारी, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे की अनुशंसा उपरांत एससी विभाग जिलाध्यक्ष गुरूचरण खरे ने जिला कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग में प्रकाश महेरोलिया को शहर जिलाध्यक्ष, व हरिनागवंशी को जिला अध्यक्ष ग्रामीण जिला कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग में नियुक्त किया है। आज स्थानीय राजीव कांग्रेस भवन में नवनियुक्त पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में महिला विंग अनुसूचित जाति विभाग की जिलाध्यक्ष रानू डेहरिया, जिला कार्यवाहक अध्यक्ष वंदना नागवंशी, जिला संयोजक रेखा मंडराह एवं नगर कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग नगर अध्यक्ष सोनू गोहरे यूथ विंग अध्यक्ष सिद्धू थनेसर रोशन इंगले मयंक सहित समस्त कार्यकर्तागण ने शपथ ग्रहण के साथ ही संकल्प लिया कि सभी मिलकर नये साल में नई सरकार

एलआईसी और एसबीआई बैंक में किये गये घोटाले का विरोध

कांग्रेस ने जलाया मोदी सरकार व अडानी का पुतला

छिन्दवाड़ा । वर्तमान भारत में विगत एक दशक में एक साधारण उद्योगपति से अरबपति और अरबपति से खरबपति बनकर विश्व के शीर्षस्थ धनकुबेरों में शामिल होने वाले गौतम अडानी के केन्द्र सरकार व देश के प्रधानमंत्री से घनिष्ठ सम्बंधों को लेकर आज कांग्रेस ने एक धरना प्रदर्शन कर आमजन के सामने अडानी द्वारा किये गये अप्रत्यक्ष घोटालों को लेकर केन्द्र सरकार व अडानी का पुतला दहन किया। कांग्रेस वक्ताओं ने अपने उदबोधन में भारत की जनता के साथ केन्द्र सरकार की मिलीभगत से हुई इस जालसाजी का पुरजोर विरोध करते हुये आमजन में अलख जगाई कि किस तरह से अपने घोटालों के कारण विश्व में एक नंबर का दर्जा पाने वाला मोदी प्रिय उद्योगपति आज 21 वें नम्बर से भी नीचे और पीछे लुढ़क गया है।

भाजपा सरकार को गरीब और जरूरतमंद जनता की चिंता नहीं है उसे केवल चंद उद्योगपतियों को अमीर और अधिक अमीर बनाने की फिक्र है और इसके लिये देश की सरकार गरीबों का खून चूस रही है। निरंतर महंगाई का बोझ जनता पर इसीलिये डाला जा रहा है ताकि किसी तरह अमीरों को फायदा पहुंचाया जा सके। भाजपा उद्योगपतियों की सरकार है यह तो पहले से तय है किन्तु हाल ही में सबसे बड़े घोटाले से यह पुख्ता हो चुका है कि भाजपा सरकार केवल बड़े घरानों की कठपुतली मात्र है। वे इस कठपुतलीनुमा सरकार को अपने मुताबिक चल रहे हैं। देश की आग्रणी भारतीय स्टेट बैंक व एलआईसी में इतिहास का सर्वाधिक बड़ा घोटाला अडानी कम्पनी के द्वारा किया गया है। कम्पनी के मालिक ने देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सह पर बैंक और एलआईसी में करोड़ों अरबों रुपयों का घोटाला किया है, इन संस्थानों में जमा रुपये आम नागरिक के है जिन्हें सरकार की मदद से दांव पर लगा दिया गया। सरकार के सहयोग से अडानी के द्वारा किये गये घोटाले के विरोध में शहर कांग्रेस सहित सभी मोर्चा संगठनों के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने स्थानीय गांधी चौक पर धरना देकर मोदी सरकार व अडानी का पुतला फूंका।

एलआईसी व एसबीआई में अडानी द्वारा किये गये घोटाले के विरोध में कांग्रेस के समस्त पदाधिकारी व कार्यकर्तागण नारेबाजी करते हुये रैली के रूप में फव्वारा चौक पहुंचे। मोदी सरकार में बढ़ती महंगाई, भ्रष्टाचार और साम्प्रदायिकता के चलते पूरे देश का माहौल बिगड़ रहा है हाल ही में उजागर हुये घोटाले ने इस बात को प्रमाणित कर दिया है कि सरकार केवल उद्योगपतियों की है। अमीर घोटाले कर रहे हैं और गरीबों व आमजन पर महंगाई का बोझ डालकर अमीरों की जेब मोटी की जा रही है। एलआईसी में 29 करोड़ पॉलिसी धारकों को भारी नुकसान हुआ है व एसबीआई में 45 करोड खाताधारकों को और दोनों संस्थानों को मिलाकर करीब ढाई लाख करोड़ का नुकसान अडानी के द्वारा किया गया है।

आयुष स्वास्थ्य मेले में औषधि वितरण एवं ऋतु चर्या, दिनचर्या, किचन औषधि, औषधि पौधे की जानकारी दी

400 आयुर्वेद एवं 110 होम्योपैथी से निशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं औषधि वितरण का लाभ लिया

चौरइ । राष्ट्रीय आयुष मिशन आयुष विभाग मप्र शासन के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय निशुल्क आयुष स्वास्थ्य मेला में भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष विधायक पं रमेश दुबे जी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। पूर्व विधायक श्री दुबे ने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी की सरकार में आयुर्वेद का पुनर्जीवित करने का काम किया गया। यही वजह है कि आज आयुष विधा का देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी इस पर लोगों का विश्वास बढ़ा है। पूर्व विधायक श्री दुबे ने आयुर्वेदिक औषधियों का निरीक्षण किया।आयुष विभाग के अधिकारियों द्वारा पूर्व विधायक श्री दुबे जी का पौधा भेंटकर अभिवादन किया गया। शिविर में आयुर्वेद, होम्योपैथी, योगा पद्धति से लोगों को उपचार दिया गया मेले में आने वाले 510 रोगी लाभान्वित हुए। मेले में आने वाले लाभार्थियों को निशुल्क औषधि वितरण एवं ऋतु चर्या दिनचर्या, किचन औषधि, औषधि पौधे की जानकारी,आहार -विहार योगा प्राणयाम, पोषण मटका के विषयों में स्वास्थ्य मार्गदर्शन दिया ! कुल 510

रोगियो से जिसमें 400 आयुर्वेद एवं 110 होम्योपैथी से निशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं औषधि वितरण का लाभ लिया । मेले मे आए लाभार्थियों की शुगर एवं ब्लड प्रेशर की जांच की गई। रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए एवं त्रिकटु चूर्ण , एवं 34 आयु रक्षा किट का वितरण किया गया। इस दौरान वरिष्ठ नेता सुरेश शर्मा, संजय सुकांत, सुरेंद्र सोनी, डा धर्मेंद्र जैन, महेंद्र वर्मा, अतुल दुबे, शुभम पालीवाल, पंकज साहू, बीएमओ डॉ नितिन बाम्हने, सीएमओ अभयराज सिंह डॉ हरि सतनामी डॉ देवेन्द्र पालीवाल डॉ पवन नेमा डॉ भारती वर्मा समेत विभागीय अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में नीम, आंवला और गुलमोहर के पौधे लगाए। मुख्यमंत्री के साथ मध्य प्रदेश जल निगम के जनरल मैनेजर अजय दिवाकर ने पौधरोपण किया। सीहोर के सामाजिक कार्यकर्ता समीर सेन ने अपने जन्म दिवस पर पौधा लगाया।

विद्युत कंपनी निकालकर ले गई ट्रांसफार्मर

मानव अधिकार आयोग ने 13 फरवरी तक मांगा जवाब

भोपाल। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मनोहर ममतानी से आज आवेदक आरिफ अकील द्वारा भेंटकर भोपाल के मजदूर नगर में मध्य क्षेत्र विविकंलि, भोपाल द्वारा स्थापित ट्रांसफार्मर को विद्युत कंपनी द्वारा निकालकर ले जाने से गरीब और मजदूर तबके के उपभोक्ताओं को हो रही भारी कठिनाई के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने कुछ दस्तावेजात भी आयोग को दिये हैं।

मामले में आयोग ने मुख्य प्रबंध निदेशक मध्य क्षेत्र विविकंलि, भोपाल से प्रकरण की जांच कराकर 13 फरवरी 2023 तक प्रतिवेदन देने को कहा है। आयोग ने यह भी प्रतिवेदन मांगा है कि विद्युत चोरी के मामले अधिक होने और विद्युत बिलों की अत्यधिक राशि बकाया होने से संबंधित त्रुटिकर्ता उपभोक्ताओं के अलावा ऐसे विद्युत उर्जा के उपभोक्ता, जो ऐसे ट्रांफार्मर से प्राप्त विद्युत कनेक्शन के संबंध में नियमित रूप से अपने बिलों का भुगतान कर रहे थे, वे भी ट्रांसफार्मर निकाल लेने के कारण विद्युत उर्जा के उपयोग से वंचित हो गये, अतः ऐसे सद्भावी उपभोक्ताओं को शीघ्र विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने के संबंध में क्या कार्यवाही की जा रही है? यह भी स्पष्ट किया जाये।

भाजपा संगठन की तर्ज पर अब जिलों में बनेगी सरकार की कोर टीम

भोपाल। प्रदेश में भाजपा के कोर टीम की तर्ज पर अब जिलों के समग्र विकास के लिए डेवलपमेंट कोर टीम बनेगी। इस टीम के मुखिया प्रभारी मंत्री होंगे जो जिले के चौतरफा विकास के लिए चर्चा कर प्रस्ताव तैयार कराकर उस पर अमल कराएंगे। यह प्रस्ताव अल्पकालिक नहीं बल्कि दीर्घकालिक हो सकते हैं लेकिन इसका फायदा जनमानस को मिलना चाहिए।

प्रभारी मंत्रियों के माध्यम से जिलों में विकास यात्रा के लिए गांवों और शहर के वार्डों में टीम लीडरशिप डेवलप करने के निर्देश पर सफल एक्शन के बाद अब मुख्यमंत्री ने जिलों में कोर टीम बनाने के लिए कहा है। कोर टीम में प्रभारी मंत्री और अधिकारियों के अलावा अन्य गैर शासकीय सदस्य भी शामिल होंगे, यह तो अभी साफ नहीं हुआ है लेकिन सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मानव संसाधन विकास के हर सेक्टर में विकास के लिए कोर टीम काम करेगी। जिला स्तर पर काम करने वाली कोर टीम जनपदों, नगरीय निकाय स्तर के विकास कार्यों के साथ भौगोलिक स्थितियों को ध्यान में रखकर भी प्रस्ताव तैयार करेगी। इसमें स्कूलों, अस्पतालों की सुविधा के साथ सड़क, रोजगार पर फोकस किया जाएगा। जिन क्षेत्रों में औद्योगिक विकास की स्थिति बन सकती है, उसे भी फोकस किया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि जिस तरह संगठन के विस्तार और मजबूती के लिए बीजेपी की जिला स्तर पर बनी कोर टीम काम करती है, वैसा ही काम प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता वाली कोर टीम से करने की अपेक्षा सरकार ने की है।

सीएम ने यह दिए थे निर्देश

सीएम चौहान ने पिछले सप्ताह कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस में कहा था कि जिलों के एक्कुअल डेवलपमेंट के लिए काम होना चाहिए। प्रभारी मंत्रियों के साथ कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों की बैठक में सीएम ने कहा था कि जिला स्तर पर एक कोर टीम बने। यह टीम चेक करे कि जिला स्तर पर विकास के क्या-क्या काम हो सकते हैं? जरूरी नहीं कि यह काम जल्द पूरा होने वाला ही हो। अगर लम्बे अंतराल वाला कोई काम हो सकता है तो इसका भी प्रस्ताव तैयार करके विकास के लिए मंजूरी देकर उसे पूरा कराएं।

कलेक्टर-एसपी की दोस्ती बने मिसाल

सीएम चौहान ने इस बैठक में यह भी कहा था कि कलेक्टर और एसपी के बीच दोस्ती का रिश्ता होना चाहिए। वे न सिर्फ खुद दोस्त रहें बल्कि पारिवारिक मित्रता भी रहे और इसका संदेश भी जाना चाहिए ताकि निचला अधिकारी-कर्मचारी अमला भी इसी फार्मेट में काम करे। दोस्ताना संबंधों में प्रशासनिक कामों में किसी तरह की रुकावट नहीं आती है और समस्याओं का समाधान तेजी से होता है। गेट टू गेदर के कार्यक्रम होने चाहिए।

काम ऐसे हों कि हितग्राही खुद करे सरकार की प्रशंसा

प्रभारी मंत्रियों को यह निर्देश भी मिले हैं कि वे जिलों में प्रवास के दौरान योजनाओं का लाभ लेने वाले हितग्राहियों से सीधा संवाद करें। गांवों में पहुंचें और बात करें। उन्हें प्रोत्साहित करें कि जब सरकार ने सुविधा दी है तो उसका प्रचार प्रसार हितग्राही खुद करे। सरकार को सफलता की कहानी बताने की बजाय हितग्राही सरकार के माध्यम से मिली सफलता की कहानी लोगों के बताए। इसका विकास कार्य पूरा कराने पर सार्थक मैसेज जाएगा।

श्रीमती निर्मला शुक्ला की अंत्येष्टि संपन्न

भोपाल। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति शिव शेखर शुक्ला की माताजी श्रीमती निर्मला देवी शुक्ला का आज निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार भदभदा श्मशान घाट पर किया गया। मुखाग्नि शिव शेखर शुक्ला ने दी। यहां आयोजित शोक सभा में दो मिनट का मौन धारण कर श्रीमती शुक्ला के प्रति सभी ने शोक संवेदना व्यक्त की। अंतिम संस्कार में राज्य मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन, प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी संजय शुक्ला, एमपीसीए चेयरमैन अभिलाष खांडेकर, राज्य सूचना आयुक्त विजय मनोहर तिवारी, एमडी एमपीएसईडीसी अभिजीत अग्रवाल, एम डी दुग्ध संघ तरुण राठी, संचालक संस्कृति अदिति कुमार त्रिपाठी, उप सचिव नीरज वशिष्ठ और डॉ. मनीष पांडे (मुख्यमंत्री सचिवालय), पूर्व विधायक रमेश शर्मा गुट्टू भैया, मीडिया प्रभारी बीजेपी लोकेंद्र पाराशर सहित कई अधिकारी तथा पत्रकार शामिल हुए।

G20 भारत 2023 INDIA वसुधैव कुटुम्बकम् ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

आज़ादी का अमृत महोत्सव | मध्यप्रदेश शासन

लाड़ली लक्ष्मी योजना

बेटियों, खूब पढ़ो, आगे बढ़ो

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री

3 लाख 28 हजार 307 लाड़ली लक्ष्मी बालिकाओं को ₹ 105 करोड़ 80 लाख की

छात्रवृत्ति वितरण

कक्षा 6, 9, 11 एवं 12 में अध्ययनरत बालिकाएं लाभान्वित

योजना में 44 लाख से अधिक लाड़ली लक्ष्मी बेटियां पंजीकृत

अब तक 9 लाख से अधिक बालिकाओं को ₹ 232.06 करोड़ की छात्रवृत्ति

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
करेंगे

7 फरवरी, 2023 | अपराह्न 3.00 बजे
कुशाभाउ ठाकरे सभागार, भोपाल

बेटियों के सशक्तिकरण के लिये लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0 आरंभ

हितग्राही बालिकाओं के लिये निःशुल्क उच्च शिक्षा

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents DDMP @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

महिला एवं बाल विकास विभाग, मध्यप्रदेश शासन

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी D-11218/22 आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2023